भाद्रपद शुक्ल पक्ष 10, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक-76 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
21 सितंबर 2026 सोमवार

आज का मौसम
31.0 अधिकतम
21.8 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

ईरान से होर्मुज और हूती से मक्का पैक्ट तक... ट्रम्प की अग्निपरीक्षा

राजेश सिरोठिया
युद्ध की चक्की में पिसती दुनिया
पार्ट-1

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के सामने इस समय ईरान से चल रही जंग से बड़ा कोई दूसरा विदेश नीति का सवाल नहीं है। लेकिन इस युद्ध की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि इसके धमाके भले ही ईरान में हो रहे हों, इसकी गूंज नवंबर में होने वाले अमेरिकी मध्यावधि चुनावों तक पहुँचती दिखाई दे रही है।

नवंबर 2026 का मध्यावधि उपचुनाव , राष्ट्रपति का चुनाव नहीं हैं। ट्रम्प का चार साल का कार्यकाल जनवरी 2029 तक है और इन चुनावों में हार-जीत से उनका राष्ट्रपति पद समाप्त नहीं होगा। लेकिन प्रतिनिधि सभा की सभी 435 सीटों और सीनेट की लगभग एक-तिहाई सीटों के लिए होने वाला मतदान यह तय कर सकता है कि उनके कार्यकाल के अंतिम दो वर्ष कितने सहज या कितने कठिन होंगे। सीनेट की 35 सीटों पर चुनाव है और रिपब्लिकन को बहुमत बनाए के लिए अपनी संख्या 51 रखना बड़ी शर्त है। यदि रिपब्लिकन प्रतिनिधि सभा या सीनेट में बहुमत खो देते हैं तो ट्रम्प राष्ट्रपति बने रहेंगे, लेकिन उनके विधायी प्रस्तावों, बजट और प्रशासनिक एजेंडे के सामने कांग्रेस की दीवार खड़ी हो सकती है। महाभियोग और पद से हटाने जैसे असाधारण संवैधानिक कदमों को अलग भी रख दें तो विपक्षी बहुमत राष्ट्रपति की राजनीतिक चाल को काफी सीमित कर सकता है।

इसलिए, ईरान युद्ध अब केवल विदेश नीति नहीं है। वह अमेरिकी घरेलू राजनीति का भी सवाल बन चुका है। अमेरिका वियतनाम से लेकर ईराक और अफगानिस्तान तक लंबी जमीनी लड़ाइयों का दर्द झेल चुका है। ऐसे में ईरान में बड़े पैमाने पर अमेरिकी सैनिकों को उतारना केवल सैन्य निर्णय नहीं होगा। उसके साथ सैनिकों की संभावित मौत, युद्ध की बढ़ती लागत, लंबी लड़ाई और अमेरिकी जनता की प्रतिक्रिया का जोखिम भी जुड़ा होगा। और युद्ध की कीमत छोटी नहीं है। अमेरिकी कांग्रेस के बजट ऑफिस के अनुसार 1 अगस्त 2026 तक ईरान युद्ध पर अमेरिका करीब 38 अरब डॉलर खर्च कर चुका था। अनुमान था कि यह खर्च लगभग 3 अरब डॉलर प्रतिमाह की गति से और बढ़ सकता है। युद्ध ने अमेरिकी हथियार भंडार और संघीय बजट पर भी दबाव डाला है। यानी ट्रम्प के सामने सवाल केवल यह नहीं है कि ईरान को कितना नुकसान पहुंचाया जा सकता है। सवाल यह भी है कि अमेरिका कितनी कीमत चुकाने के लिए तैयार है।

दिलचस्प यह है कि ट्रम्प प्रशासन के भीतर भी नवंबर के चुनावों से पहले संघर्ष को नियंत्रित रखने की चिंता सामने आई है। एक रिपोर्ट के अनुसार ट्रम्प के वरिष्ठ सहयोगी चुनावों से पहले ईरान युद्ध में बड़े सैन्य टकराव से बचने की कोशिश कर रहे हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि युद्ध और बढ़ती गैस कीमतों से अमेरिकी जनता में युद्ध को लेकर असंतोष बढ़ा है। यहीं ईरान की रणनीति भी महत्वपूर्ण हो जाती है। छह महीने से अधिक की लड़ाई के बाद भी ईरान ने आत्मसमर्पण नहीं किया है। होर्मुज की स्थिति अब भी तनावपूर्ण है और तेहरान के लिए पीछे हटना केवल सैन्य फैसला नहीं, राजनीतिक प्रतिष्ठा का सवाल भी है। दूसरी तरफ अमेरिका के लिए भी बिना स्पष्ट परिणाम के पीछे हटना घरेलू राजनीति में सवाल खड़े कर सकता है। रायटर के विश्लेषण में युद्ध को एक अनसुलझी रुकावट के रूप में रेखांकित किया गया है।

यही वह बिंदु है जहां युद्ध सबसे खतरनाक हो जाता है।जब युद्ध जीतने से ज्यादा महत्वपूर्ण यह हो जाए कि कोई हारता हुआ दिखाई न दे, तब समझौते का रास्ता सबसे कठिन हो जाता है।

युद्ध की अपनी गति और राजनीति की अपनी...

ईरान अमेरिका को जमीन पर उतरने के लिए ललकार रहा है तो वह इसलिए क्योंकि उसने ट्रम्प की कमजोर नस पकड़ ली है । अमेरिका इस चुनौती को मंजूर करेगा तो उसके सामने अफगानिस्तान और इराक की स्मृतियां खड़ी होंगी। अमेरिका यदि हवाई शक्ति और आर्थिक दबाव तक सीमित रहता है तो ईरान के सामने यह साबित करने का अवसर रहेगा कि वह इतने बड़े सैन्य दबाव के बावजूद टिका हुआ है। ट्रम्प ने सार्वजनिक रूप से संकेत दिया है कि युद्ध नवंबर के मध्यावधि चुनावों के आसपास या उसके बाद समाप्त हो सकता है। लेकिन युद्ध की अपनी गति होती है और राजनीति की अपनी।और यही सबसे बड़ा खतरा है। क्या ट्रम्प चुनाव तक ईरान युद्ध को सीमित रख पाएंगे? और क्या दोनों पक्षों के लिए समझौता, पराजय के बजाय समाधान बन सकेगा? इन सवालों का जवाब केवल अमेरिका और ईरान के लिए महत्वपूर्ण नहीं है। क्योंकि इस युद्ध का अगला मोर्चा अब ईरान की सीमा से बहुत आगे दिखाई दे रहा है...

होर्मुज में, बाब-अल-मंदेब में और सऊदी अरब के आसमान में।

न्यूज विंडो

जम्मू-कश्मीर विस में धक्का-मुक्की भाजपा के विरोध के कारण हंगामा

जम्मू। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में NHM कर्मचारियों के मुद्दे पर भाजपा विधायकों के विरोध के कारण हंगामा और धक्का-मुक्की हुई। हंगामे के बीच मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला सदन में अपनी बात रखते रहे। NHM कर्मचारियों ने पूरे प्रदेश में विरोध प्रदर्शन किया है और वे नौकरी की पॉलिसी, नौकरी की सुरक्षा, रिटायरमेंट के फायदे, सामाजिक सुरक्षा, EPF कवरेज और अन्य लंबित मुद्दों की मांग कर रहे हैं। जम्मू-कश्मीर विधानसभा का सात दिन का ऑटम सेशन आज शुरू हुआ। विधानसभा के 7 दिन के सेशन के पहले दिन विरोध कर रहे भाजपा विधायकों की ओर इशारा करते हुए डिप्टी सीएम सुरिंदर चौधरी ने कहा कि 'हमारे मंत्री किसी भी मुद्दे पर जवाब देने के लिए तैयार हैं, लेकिन ये लोग सुनने को तैयार नहीं हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट को मिले 7 जज मुख्य न्यायाधीश ने दिलाई शपथ

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट का आज सात नए जज मिल गए हैं। सात न्यायिक अधिकारियों ने औपचारिक रूप से पद की शपथ ली। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इन नियुक्तियों के बाद हाईकोर्ट में जजों की संख्या बढ़कर 50 हो गई है। यह शपथ ग्रहण समारोह हाईकोर्ट परिसर में संपन्न हुआ। नवनियुक्त अधिकारियों के शामिल होने से हाईकोर्ट की न्यायिक क्षमता में वृद्धि हुई।

भागलपुर: गहरे पानी में नहाने गईं 6 बच्चियों की डूबने से मौत

अजगैवीनाथ धाम (भागलपुर)। भागलपुर जिले के अजगैवीनाथ धाम प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत नारायणपुर बहियार में सुबह हुए एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। लोक आस्था के कर्मा-धर्मा पर्व के पावन अवसर पर बहियार स्थित जलमग्न खेत में स्नान करने गए छह बच्चों की गहरे पानी में डूबने से अकाल मौत हो गई। एक साथ छह घरों के चिराग बुझने से बिष्णु टोला सहित आसपास के समूचे ग्रामीण क्षेत्र में चीत्कार मच गया और मातम पसर गया है।

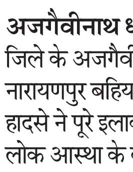

एनजीओ के नाम पर हो रही विदेशी फंडिंग पर कड़े अंकुश की तैयारी...
वरिष्ठ पत्रकार पद्मश्री आलोक मेहता का विशेष लेख - पेज - 4

आज का कार्टून

भोपाल में प्रेम कहानी का खौफनाक अंत... शादी को लेकर विवाद की आशंका

600 किमी दूर से मिलने आए प्रेमी ने की लेडी आरटीओ इंस्पेक्टर की हत्या

- पति से अलग होकर तीन साल की बेटी के साथ रह रही थी इंस्पेक्टर मीनाक्षी गोखले
- सालों पहले इंदौर में कोचिंग के दौरान हुई थी दोनों की मुलाक़ात

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी में परिवहन विभाग की एक इन्स्पेक्टर की हत्या का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां भंवरी जोड़ के पास कॉलोनी लेकपर्ल कॉलोनी के एक मकान में दतिया की आरटीओ इंस्पेक्टर मीनाक्षी गोखले (45) का शव मिला है। सिर पर चोटों के निशान हैं। शव के पास ही खून से सना हथौड़ा भी पड़ा था। मकान मीनाक्षी के प्रेमी पवन कुमार द्विवेदी (48) का है। मीनाक्षी रविवार शाम करीब 7 बजे अपनी दोस्त कृतिका के साथ यहां पहुंची थीं। उनकी तीन साल की बेटी है।

रात में कृतिका मीनाक्षी की बेटी के साथ अंदर वाले कमरे में सोई थी। सोमवार सुबह करीब 7 बजे जागी तो बाहर वाले कमरे में मीनाक्षी का शव देखा और पुलिस को सूचना दी। पुलिस को ये भी जानकारी मिली है कि मीनाक्षी का प्रेमी दो दिन पहले 600 किमी. दूर उससे मिलने के लिए सीधी से भोपाल आया था। वो मीनाक्षी के साथ ही रूम में रुका था। खजूरी सड़क पुलिस के मुताबिक, पवन मीनाक्षी से शादी करना चाहता था जबकि वह इसके लिए तैयार नहीं थी। पुलिस को आशंका है कि इसी बात को लेकर रविवार देर रात विवाद के बाद पवन ने मीनाक्षी के सिर पर हथौड़े से वार कर दिया होगा। इसके बाद घर से करीब 20 मीटर दूर पेड़ पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

फांसी लगाकर खुद भी दे दी जान

घर के बाहरी कमरे में मिला मीनाक्षी गोखले का शव। **इनसेट:** इस्पेक्टर मीनाक्षी गोखले।

जब मुलाकात हुई, प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही थी मीनाक्षी

प्रारंभिक जांच में पता चला है कि पवन मूल रूप से सीधी जिले का रहने वाला था। वह इंदौर में कोचिंग क्लासेस चला चुका था। मीनाक्षी और पवन की मुलाकात इंदौर में ही हुई थी। उन दिनों मीनाक्षी अविवाहित थी और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी। एडिशनल डीसीपी संजीव पाठक के अनुसार करीब दो साल पहले मीनाक्षी का पति से तलाक हो चुका था। पुलिस का अनुमान है कि हत्या आंगन में की गई है। आरोपी शव को घसीटकर घर के पहले कमरे में ले गया। फिर बाहर से लॉक कर दिया।

पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ एफएसएल से भी जांच कराई है। फिलहाल पुलिस दोनों मौतों से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। विवाद की वजह क्या थी, घटना के समय घर में कौन मौजूद था और वारदात से पहले दोनों के बीच क्या हुआ, इन सवालों के जवाब पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद सामने आ सकते हैं। पुलिस को उसकी जेब से बैंक पासबुक भी मिली है। पुलिस उसके मोबाइल फोन, कॉल डिटेल और अन्य दस्तावेजों की जांच कर रही है, ताकि घटना से पहले की गतिविधियों और दोनों के बीच हुई बातचीत की जानकारी मिल सके।

लखीमपुर में बड़ी वारदात स्कूल में चली गोलियां शिक्षिका समेत दो की मौत

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी के सदर कोतवाली क्षेत्र में आज सुबह चिल्ड्रेन अकडेमी स्कूल में बड़ी घटना हुई, जिससे शहर में सनसनी फैल गई। स्कूल में सुबह करीब साढ़े 11 बजे गोलियां चली, जिससे एक महिला शिक्षक और युवक की मौत हो गई है। गोलीकांड से स्कूल में चीख-पुकार मच गई। मासूम बच्चे सहम गए।

पाक ने अफगानिस्तान पर की एयरस्ट्राइक, तीन लोगों की गई जान

काबुल। अफगानिस्तान के उत्तर-पूर्वी कुनार प्रांत को निशाना बनाकर किए गए पाकिस्तानी हवाई हमले में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, कई अन्य घायल हो गए। यह जानकारी टोलो न्यूज ने आज एक प्रांतीय अधिकारी के हवाले से दी है। माना जा रहा है कि यह सैन्य हमला उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में एक पुलिस स्टेशन परिसर में हुए आत्मघाती बम धमाके के जवाब में किया गया है। इससे यह आशंका बढ़ गई है कि पड़ोसी देशों के बीच तनाव एक बार फिर खुली लड़ाई में बदल सकता है। दरअसल, फरवरी में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच कई वर्षों में सबसे गंभीर सैन्य टकराव हुआ था।

एशियन गेम्स: भारत को 6 मेडल, 5 शूटिंग में आए

नगोया। भारत ने जापान के नगोया में चल रहे एशियन गेम्स में 6 मेडल जीत लिए हैं। इनमें से 5 मेडल शूटर्स ने दिलाए। एक मेडल सुचिका तारियाल ने मिक्स्ड मार्शल आर्टस में दिलाया। आज मेंस 10 मीटर राइफल इवेंट में हिमांशु ढिल्लों (252.4 अंक) ने सिल्वर और रुद्रांश पाटिल (230.9 अंक) ब्रॉन्ज जीते। चीन के शेंग लिहाओ (254.2 अंक) ने गोल्ड जीता। टीम इवेंट में भारतीय टीम 1890.1 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही। इस टीम में पार्थ माने, रुद्रांक्ष पाटिल और हिमांशु ढिल्लों शामिल रहे। चीन (1899.9 अंक) पहले और कोरिया (1884.2 अंक) तीसरे स्थान पर रही। ...देखें पेज-7

केरलम में लैंडस्लाइड-बाढ़ से 5 मौतें, भावनगर में सड़कें जलमग्न

तिरुवनंतपुरम। केरलम में आज लगातार दूसरे दिन तेज बारिश की आशंका है। मौसम विभाग ने पथनमथिट्टा, कोट्टायम, अलप्पुझा, एर्नाकुलम, इडुक्की और त्रिशूर में यलो अलर्ट जारी किया है। इससे पहले रविवार को भारी बारिश ने इडुक्की, मलप्पुरम सहित कई जिलों में तबाही मचाई। लैंडस्लाइड, मडस्लाइड और अचानक आई बाढ़ की अलग-अलग घटनाओं में 5 लोगों की मौत हो गई। 2 लोग लापता हैं।

वहीं, उत्तर प्रदेश में बारिश का असर अभी भी कई इलाकों में है। ललितपुर में बेतवा नदी का पानी पुल के ऊपर से बह रहा है, सीतापुर में कई छोटे पुल डूब गए हैं। उन्नाव की जलमग्न बस्तियों में नाव चल रही है। बाराबंकी में रविवार को बारिश के पानी से भरे गड्ढे में नहाते समय तीन बच्चों की डूबने से मौत हो गई। गुजरात के भावनगर और राजकोट में करीब आधे घंटे तेज बारिश में ही सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया। भावनगर के महुवा में साढ़े 4 इंच और राजकोट के गोंडल में साढ़े 3 इंच बारिश हुई।

पश्चिम बंगाल में बुद्धदेब के सपनों को पंख लगाते शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता से अजय विश्वास

यह बात सुनने में भले ही अजीब लगे, लेकिन पश्चिम बंगाल के राजनीतिक इतिहास में यह एक बेहद दिलचस्प और महत्वपूर्ण शुरुआत है। एक मार्क्सवादी मुख्यमंत्री का वर्षों पुराना सपना अब उसी बंगाल के पहले भाजपा मुख्यमंत्री के हाथों आकार लेता दिखाई दे रहा है। यह कहानी है पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेब भट्टाचार्य के उस विचार की, जिसे उन्होंने करीब ढाई दशक पहले अपने कार्यकाल के दौरान उठाया था और जिसे उस समय राजनीतिक विरोध और दबाव के कारण आगे नहीं बढ़ाया जा सका।

वर्ष 2002 में बुद्धदेब भट्टाचार्य पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री थे। सीमा से लगे इलाकों में तेजी से बढ़ रहे गैर-अधिकृत यानी 'खारिजी' मदरसों को लेकर उन्होंने गंभीर चिंता जताई थी। उनका मानना था कि सीमा क्षेत्रों में ऐसे संस्थानों की गतिविधियों की जांच जरूरी है, क्योंकि इनके माध्यम से पाकिस्तान और उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई द्वारा कथित रूप से कट्टरपंथी विचारों के प्रसार तथा आतंकवादी गतिविधियों के लिए युवाओं को प्रभावित किए जाने की आशंका थी। बुद्धदेब का तर्क था कि ऐसी गतिविधियों को शुरुआती स्तर पर ही रोकना जरूरी है। उनकी इस चिंता को तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री लालकृष्ण आडवाणी का समर्थन भी मिला था। लेकिन बंगाल की राजनीति में यह मुद्दा जल्द ही विवाद का विषय बन गया। बुद्धदेब को अपनी ही पार्टी और मंत्रिमंडल के भीतर से विरोध का सामना करना पड़ा। राजनीतिक गलियारों में यह आशंका व्यक्त की गई कि इस तरह की कार्रवाई से मुस्लिम मतदाताओं का समर्थन प्रभावित हो सकता है। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस ने भी इस मुद्दे पर वाम मोर्चा सरकार को घेरा।

आखिरकार बुद्धदेब भट्टाचार्य को अपने बयान पर सफाई देनी पड़ी और विवाद को शांत करने की कोशिश करनी पड़ी। बुद्धदेव को स्पष्ट करना पड़ा कि उनका उद्देश्य पूरे मदरसा समुदाय को आतंकवाद से जोड़ना नहीं था। लेकिन उनके मन में सीमा क्षेत्रों में चल रहे गैर-अधिकृत मदरसों और उनसे जुड़े सुरक्षा संबंधी सवालों को लेकर चिंता बनी रही। उनकी पत्नी रामलला ने तब कहा भी था कि काम भले रुक गया हो पर अवैध मदरसों के बंद करने यह सपना अभी भी जीवित है ।

इतिहास का एक असाधारण संयोग

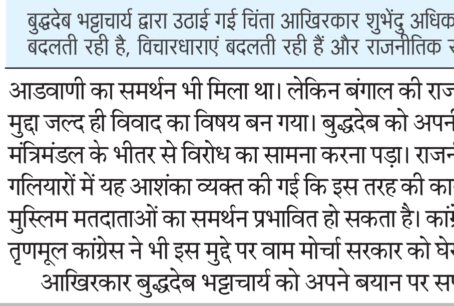

करीब 24 साल बाद वही सवाल एक अलग राजनीतिक पृष्ठभूमि में फिर बंगाल के सामने खड़ा है। इस बार मुख्यमंत्री की कुर्सी पर मार्क्सवादी नहीं, बल्कि भाजपा के शुभेंदु अधिकारी हैं। अधिकारी सरकार ने राज्य के मदरसों की स्थिति का व्यापक सर्वेक्षण कराने का फैसला किया। सर्वेक्षण के बाद जो तस्वीर सामने आई, उसने पूरे मामले को एक बार फिर राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया। सरकार की कार्रवाई में बड़ी संख्या में मदरसों को नोटिस दिए गए। रिपोर्टों के अनुसार, 252 मदरसों को बंद करने के नोटिस और करीब 100 अन्य को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। यानी जिस सवाल को बुद्धदेब भट्टाचार्य ने 2002 में उठाया था, वह 2026 में एक बार फिर सरकारी फाइलों से निकलकर राजनीतिक और प्रशासनिक कार्रवाई के केंद्र में आ गया है। यह इतिहास का एक असाधारण संयोग है। सवाल यह है कि क्या करीब ढाई दशक पहले बुद्धदेब भट्टाचार्य द्वारा उठाई गई चिंता आखिरकार शुभेंदु अधिकारी के शासनकाल में किसी निर्णायक प्रशासनिक निष्कर्ष तक पहुंचेगी? बंगाल की राजनीति में सत्ता बदलती रही है, विचारधाराएं बदलती रही हैं और राजनीतिक समीकरण भी बदलते रहे हैं। लेकिन कुछ ऐसे सवाल बने रहते हैं ।

24 सितंबर से भारी बारिश का आखिरी मानसूनी दौर, अब तक 33.9 इंच बरसात

भोपाल में रविवार रात तेज बारिश हुई।

भोपाल। दोपहर मेट्रो

दक्षिण-पश्चिम मानसून की विदाई से पहले मध्य प्रदेश में बारिश का दौर रहेगा। मौसम विभाग ने 24 सितंबर से कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इससे पहले रिमझिम जारी रहेगी। प्रदेश में अब तक औसत 33.9 इंच पानी गिर चुका है, जो मानसूनी कोटे का करीब 91% है।

मौसम विभाग के अनुसार, लो प्रेशर एरिया (निम्न दाब क्षेत्र) उत्तर अंडमान सागर एवं आसपास के क्षेत्र के ऊपर स्थित था। रविवार को यह आगे बढ़ गया। इसके आगे बढ़ने और 21 सितंबर को मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर डिप्रेशन और 22 सितंबर को डीप डिप्रेशन में बदलने की संभावना है। ऐसा होने से 24 सितंबर से कई जिलों में तेज बारिश शुरू होगी। इस दिन प्रदेश के छतरपुर, सतना, दमोह, डिंडौरी, सिवनी, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, नर्मदापुरम, बैतूल और हरदा में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

इससे पहले रविवार रात को भोपाल के कई इलाकों में तेज पानी गिरा। नर्मदापुरम में हवा चलने के बाद करीब पौन घंटे बारिश हुई। फेफरताल में 33 केवी लाइन पर पेड़ गिर गया। बिजली गुल होने से शहर का करीब 40 फीसदी हिस्सा अंधेरे में डूबा रहा। रसूलिया, आशुतोष नगर और हरदा रोड स्थित महाराणा प्रताप मार्केट में गणेश पंडालों को नुकसान पहुंचा।

32 जिलों में 5% से 49% तक कम बारिश

प्रदेश के पूर्वी हिस्से- जबलपुर, रीवा, सागर और शहडोल संभाग में 1% तक कम बारिश हुई है। बालाघाट, छिंदवाड़ा, डिंडौरी, दमोह, जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, पांढुर्णा, मंडला, रीवा, सागर, सिवनी में 5% से 24% तक कम बारिश हुई है। पिछले एक सप्ताह में यह आंकड़ा काफी सुधरा है। रविवार तक आंकड़ा माइनस में 2 प्रतिशत रहा। वहीं, पश्चिमी हिस्से के आलीराजपुर, अशोकनगर, बैतूल, देवास, धार, हरदा, इंदौर, झाबुआ, खंडवा, मंदसौर, मुरैना, नर्मदापुरम, नीमच, बड़वानी, खंडवा, रायसेन, रतलाम, सीहोर, शाजापुर, उज्जैन और विदिशा में औसत से 5% से 49% कम पानी गिरा है।

आरएसएस के शताब्दी वर्ष में राजधानी में आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा-

जाति-छुआछूत के खिलाफ बदलाव अपने घर और आचरण से शुरू करना होगा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

जन्म के आधार पर ऊंच-नीच और भेदभाव भारतीय समाज पर ऐसा दाग है, जिसने हमारी सामूहिक ताकत को अंदर से खोखला किया है। जब तक समाज में जातिगत छुआछूत और दूरियां मौजूद हैं, तब तक एक सशक्त और अखंड भारत का सपना अधूरा है। आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने भोपाल के लाल परेड ग्रांउड से देश को बड़ा संदेश दिया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के तहत रविवार को भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में विशाल शाखा संगम और स्वयंसेवक एकत्रीकरण हुआ। भोपाल विभाग के पांच जिलों से करीब 30 हजार स्वयंसेवकों ने इसमें हिस्सा लिया। कार्यक्रम में संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले मुख्य वक्ता रहे।

होसबाले ने सामाजिक भेदभाव और जातिगत विभाजन का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि जन्म के आधार पर भेदभाव हिंदू संस्कृति का हिस्सा नहीं है और जाति के नाम पर होने वाला भेदभाव हिंदू समाज पर कलंक है। उनके मुताबिक इस समस्या का समाधान केवल कानून, उपदेश या किसी बाहरी हस्तक्षेप से नहीं होगा, बल्कि लोगों को अपने व्यवहार और जीवन में बदलाव लाना होगा।

होसबाले ने सामाजिक समरसता की बात करते हुए कहा कि समाज के भीतर होने वाला भेदभाव सामूहिक शक्ति को कमजोर करता है। उन्होंने लोगों से अपने घर और आसपास के व्यवहार में समानता को उतारने का आह्वान किया। उनका जोर इस बात पर रहा कि समाज में बदलाव केवल मंचों से संदेश देने से नहीं आएगा। व्यक्ति के दैनिक आचरण में बदलाव ही सामाजिक दूरी कम करने का आधार बन सकता है।

अलग-अलग उंगलियां कमजोर, मुट्ठी बने तो ताकत

अपने संबोधन में होसबाले ने समाज में जाति, पंथ, भाषा और क्षेत्र के आधार पर पैदा होने वाले विभाजन का भी जिक्र किया। उन्होंने हाथ की उंगलियों का उदाहरण देते हुए समझाया कि अलग-अलग रहने पर उंगलियां बिखरी हुई शक्ति का प्रतीक हैं, लेकिन जब वे एक साथ मुट्ठी बनती हैं तो उनकी सामूहिक ताकत बढ़ जाती है।उन्होंने जागृत और संगठित समाज को देश की प्रगति के लिए जरूरी बताया।

देशभक्ति और सेवा को रोजमर्रा के जीवन से जोड़ने पर जोर दिया

होसबाले ने राष्ट्रसेवा को किसी एक संगठन या वर्ग तक सीमित रखने के बजाय समाज की व्यापक भागीदारी पर जोर दिया। उनका संदेश था कि संकट के समय समाज के अलग-अलग वर्गों और युवाओं को अपनी जिम्मेदारी समझकर आगे आना चाहिए।

उन्होंने देशभक्ति को केवल राष्ट्रीय पर्वों तक सीमित रखने के बजाय इसे जीवन का स्थायी भाव बनाने की बात कही। इसी तरह पर्यावरण संरक्षण को भी केवल प्रस्तावों तक सीमित न रखकर पेड़ लगाने, नदियों को स्वच्छ रखने और ऊर्जा बचाने जैसे व्यवहारिक कदमों से जोड़ने पर जोर दिया।

शताब्दी वर्ष के इस आयोजन में संघ ने सामाजिक समरसता, संगठन और नागरिक दायित्व को अपने संदेश के प्रमुख हिस्सों के रूप में सामने रखा। भोपाल का यह बड़ा स्वयंसेवक एकत्रीकरण संघ के शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों में सामाजिक एकता और 'पंच परिवर्तन' के संदेश को प्रमुखता देने वाले आयोजनों में शामिल रहा।

राजधानी में तंबाकू-गुटखा फैक्ट्री पर GST का छापा

60 करोड़ से ज्यादा की टैक्स चोरी पकड़ी, मालिक गिरफ्तार

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी भोपाल में गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) इंटेलिजेंस विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तंबाकू और गुटखा बनाने वाली फैक्ट्री पर छापा मारा है। इस छापेमारी में 60 करोड़ रुपये से अधिक की कथित टैक्स चोरी का पता चला है।

नवाबगंज के न्यू चौकसे नगर में चल रही थी फैक्ट्री

यह फैक्ट्री शहर के नवाबगंज इलाके के न्यू चौकसे नगर में स्थित है। अधिकारियों के मुताबिक यह फैक्ट्री गैर-कानूनी तरीके से चलाई जा रही थी और परिसर में मशीनों को छिपाकर रखा गया था। यहां 'गुरु' ब्रांड नाम से तंबाकू उत्पाद बनाए जा रहे थे।

बड़े पैमाने पर टैक्स चोरी के साक्ष्य मिले

छापेमारी के दौरान जीएसटी इंटेलिजेंस के अधिकारियों को बड़े पैमाने पर टैक्स चोरी के साक्ष्य मिले हैं। विभाग वित्तीय अनियमितताओं की पूरी स्थिति का पता लगाने के लिए जांच कर रहा है। अधिकारियों का कहना है कि इस फैक्ट्री के संचालन में और किन-किन लोगों की भूमिका है, इसका भी पता लगाया जा रहा है और उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

संचालक गिरफ्तार, अभियान जारी

मामले में फैक्ट्री संचालक सुरेश सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। यह कार्रवाई टैक्स चोरी और बिना स्वीकृति के मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों में शामिल व्यवसायों की पहचान के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई है। तंबाकू और गुटखा इकाइयां टैक्स नियमों के दायरे में आती हैं, इसलिए विभाग ऐसे मामलों में सख्ती से जांच कर रहा है।

अतिथि विद्वानों का आंदोलन 3 अक्टूबर तक स्थगित

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल के नीलम पार्क में नियमितीकरण और नौकरी में स्थायित्व की मांग को लेकर चल रहा अतिथि विद्वानों का आंदोलन 3 अक्टूबर तक स्थगित कर दिया गया है। प्रदर्शनकारियों ने कहा है कि आंदोलन खत्म नहीं हुआ है, बल्कि सरकार को समस्या के समाधान के लिए समय दिया गया है। 3 अक्टूबर तक फॉलन आउट प्रक्रिया रोकने और नीति बनाने पर ठोस फैसला नहीं हुआ तो 4 अक्टूबर से प्रदेशव्यापी आंदोलन शुरू करने की बात कही गई है।

इसके साथ ही अतिथि विद्वानों ने मंत्री इंदर सिंह परमार के सुझाव के आधार पर राजनीतिक पार्टी बनाने और चुनाव लड़ने पर भी फैसला लेने की बात कही है।

उच्च शिक्षा आयुक्त से मांगों पर हुई चर्चा

अतिथि विद्वान डॉ. राकेश कुमार सिंह ने बताया कि उच्च शिक्षा आयुक्त प्रबल सिपाहा मंत्री इंदर सिंह परमार के प्रतिनिधि के रूप में नीलम पार्क पहुंचे थे। प्रतिनिधिमंडल ने मांग रखी कि जब तक स्थायित्व की नीति नहीं बन जाती, तब तक फॉलन आउट की प्रक्रिया रोकी जाए।

आयुक्त ने इसे नीतिगत विषय बताते हुए मंत्री से चर्चा कर समाधान का प्रयास करने की बात कही। डॉ. सिंह ने कहा कि नीति बनने तक वर्षों से सेवाएं दे रहे अतिथि विद्वानों को बेरोजगार नहीं किया जाए। इसी उम्मीद में आंदोलन को 3 अक्टूबर तक स्थगित किया गया है।

'शत्रु संपत्ति' की फाइल फिर खुली:कोहेफिजा के रहवासियों को नोटिस, खसरा नंबर-42 की जांच ने बढ़ाई चिंता

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल रियासत के अंतिम नवाब हमीदुल्लाह खान और उनकी दूसरी पत्नी आफताब जहां बेगम से जुड़ी संपत्तियों को लेकर वर्षों से चला आ रहा 'शत्रु संपत्ति' विवाद अब सीधे वर्तमान भू-स्वामियों और रहवासियों के दरवाजे तक पहुंच गया है। न्यायालय सहायक अभिरक्षक शत्रु संपत्ति एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़) ने कोहेफिजा क्षेत्र में लोगों को कारण बताओ सूचना-पत्र जारी करना शुरू किया है।

सामने आए एक नोटिस में ग्राम कोहेफिजा के खसरा क्रमांक 42/10, रकबा 0.0320 हेक्टेयर के वर्तमान संबंधित व्यक्ति को 24 सितंबर को उपस्थित होकर अपने पक्ष में दस्तावेज और साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है। नोटिस में उल्लेख है कि अमिताभ अग्निहोत्री द्वारा प्रस्तुत

शिकायत पर जांच की गई और रियाज मंजिल को भारत के शत्रु संपत्ति अभिरक्षक कार्यालय के अनुसार शत्रु संपत्ति घोषित किया गया है।

रियाज मंजिल का ऐतिहासिक संबंध नवाब हमीदुल्लाह खान की दूसरी पत्नी आफताब जहां बेगम से बताया जाता है। बताया जाता है कि यह कोठी नवाब हमीदुल्ला खान ने अपनी पत्नी आफताब जहां को दी थी। मामला इसलिए और महत्वपूर्ण हो गया है, क्योंकि यह जांच केवल एक कोठी तक सीमित रहने के संकेत नहीं देती। जून 2026 में भोपाल कलेक्टर द्वारा शत्रु संपत्तियों की जांच के लिए बैरागढ़ सहित विभिन्न एसडीएम को निर्देश दिए जाने और जांच में रियाज मंजिल, मेपल हाउस, नानी की हवेली तथा नवाब परिवार से संबंधित अन्य संपत्तियों को शामिल किए जाने की खबरें सामने आई थीं।

आफताब जहां से संबंधित जमीनों को लेकर भी बड़े दावे सामने आए हैं। बताया जाता है कि वर्ष 1959 के राजस्व रिकॉर्ड में आफताब जहां बेगम के नाम बेहटा और बोरबन में सैकड़ों एकड़ भूमि दर्ज होने का दावा कालांतर में किया गया था। इसमें बहुत सारी जमीनें आफताब जहां बेगम के नाम से पावर आफ अटानी और उनके फर्जी हस?ताक्षरों के आधार पर हिबानाम से जमीनों को बेचा गया था। बेहटा की 30.55 एकड़ जमीन की वर्ष 1994 की बिक्री को लेकर भी ईओडल्ब्यू से जांच की मांग की गई है।

मेट्रो एंकर | **प्रदेश के 30 स्टेशनों से मिलेगा यात्रियों को सीधा फायदा**

दिवाली और छठ की तैयारी,10 राज्यों के लिए स्पेशल ट्रेनें

भोपाल। दोपहर मेट्रो

दिवाली और छठ पूजा पर घर लौटने वाले यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने मध्यप्रदेश से 10 राज्यों के लिए स्पेशल ट्रेनें चलाने की तैयारी की है।

इन ट्रेनों से प्रदेश के करीब 30 स्टेशन जुड़ेंगे। स्पेशल ट्रेनों के जरिए मध्यप्रदेश की कनेक्टिविटी राजस्थान, उत्तरप्रदेश, बिहार, झारखंड, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, हरियाणा और दिल्ली तक होगी। त्योहारी सीजन में नियमित ट्रेनों में बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए इन सेवाओं से यात्रियों को अतिरिक्त ट्रेन विकल्प मिलेंगे।

इसमें सबसे खास बात भोपाल मंडल के यात्रियों के लिए है। सुल्तानपुर और वाराणसी से लोकमान्य तिलक टर्मिनस जाने वाली दोनों त्योहार स्पेशल ट्रेनें बीना, रानी कमलापति

और इटारसी होकर चलेंगी। दोनों दिशाओं में इनके 4-4 फेरे हैं। यानी इन दोनों रूट से भोपाल मंडल के इन तीन स्टेशनों को मुंबई के लिए कुल 16 एकतरफा परिचालन का अतिरिक्त विकल्प मिलेगा।

अजमेर-रांची पूजा स्पेशल: 9-9 फेरे

ट्रेन नंबर 09619/09620

अजमेर-रांची-अजमेर साप्ताहिक पूजा स्पेशल के दोनों दिशाओं में 9-9 फेरे होंगे।

अजमेर से रांची: 2 अक्टूबर से 27 नवंबर 2026 तक प्रत्येक शुक्रवार। अजमेर से रात 11:05 बजे रवाना होकर अगले दिन गुना सुबह 9:10 बजे पहुंचेगी और रविवार सुबह 7:30 बजे रांची पहुंचेगी।

रांची से अजमेर: 4 अक्टूबर से 29 नवंबर तक प्रत्येक रविवार। रांची से सुबह 10:50 बजे रवाना होकर अगले दिन गुना सुबह 7:25 बजे और अजमेर शाम 6:35 बजे पहुंचेगी।

घोषित ठहराव: किशनगढ़, जयपुर, दुर्गापुरा, सवाई माधोपुर, सोगरिया, बारां, छबड़ा गुगोर, रुठियाई जंक्शन, गुना, सागर, दमोह, कटनी मुड़वारा, ब्यौहारी, सिंगरौली, ओबरा डैम, चोपन, रेणुकूट, गढ़वा रोड, डाल्टनगंज, बरवाडीह, लातेहार, टोरी, लोहरदगा, पिस्का।

भोपाल में आज नीति आयोग का बड़ा आयोजन, हॉर्टिकल्चर सेक्टर की कमियों और क्लस्टर मॉडल पर होगी चर्चा

भोपाल। मध्य प्रदेश में उद्यानिकी क्षेत्र को मजबूत करने के लिए राज्य नीति आयोग बड़ा मंथन करने जा रहा है। मध्य प्रदेश राज्य नीति आयोग द्वारा उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण विभाग के सहयोग से सोमवार को भोपाल में 'मध्य प्रदेश में उद्यानिकी मूल्य श्रृंखलाओं का सुदृढ़ीकरण' विषय पर नीति संवाद आयोजित किया जा रहा है।

यह कार्यक्रम एमपीटी होटल पलाश रेसीडेंसी के प्रथम तल स्थित विमर्श हॉल में हो रहा है। इसमें विषय-विशेषज्ञों, वित्तीय संस्थाओं, नीति-निर्माताओं, उद्योग प्रतिनिधियों, कृषक उत्पादक संगठनों (एफपीओ) और स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि उद्यानिकी क्षेत्र के समग्र विकास पर विचार-विमर्श करेंगे।

बड़े अफसर और विशेषज्ञ देंगे संबोधन

कार्यक्रम की शुरुआत में मध्य प्रदेश राज्य नीति आयोग के सीईओ स्वरोचिष सोमवंशी स्वागत उद्बोधन देंगे। योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के सचिव श्रीमन शुक्ला प्रारंभिक उद्बोधन देंगे। अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान के उपाध्यक्ष प्रो. राजीव दीक्षित और कृषि उत्पादन आयुक्त एवं अपर मुख्य सचिव केसी गुप्ता का विशेष संबोधन होगा।

अन्नदाताओं की बढ़ी चिंता: जबलपुर से विदिशा तक धान पर कीटों का खतरा

फसलों पर भूरा माहू और तना छेदक का हमला, एडवाइजरी जारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मौसम में तेजी से हो रहे बदलाव और बढ़ते तापमान ने किसान और कृषि विज्ञानी, दोनों की चिंता बढ़ा दी है। तापमान में हो रहे उतार-चढ़ाव की वजह से धान की फसल पर कीट और रोग का खतरा बढ़ गया है। हालात यह हैं कि जबलपुर, बालाघाट, सिवनी, डिंडौरी से लेकर विदिशा समेत सभी धान उत्पादक क्षेत्रों में किसानों को धान की फसल पर कीट हमला कर रहे हैं। इसको लेकर जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय ही नहीं बल्कि कृषि विभाग और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद तक ने चिंता जाहिर की है।

आइसीएआर के डीडीजी और विज्ञानी लगातार जनेकृविवि और कृषि शोध संस्थान और किसानों से हालात का जायजा ले रहे हैं। इधर आनन-फानन में जनेकृविवि ने खासतौर पर बासमती धान को हो रहे नुकसान को नियंत्रित करने के लिए एडवाइजरी जारी कर दी है। कृषि वैज्ञानिकों के मुताबिक इन दिनों बढ़ते तापमान की वजह से धान में भूरा माहू, तना छेदक के साथ ब्लास्ट, जीवाणु झुलसा और शीथ ब्लाइट जैसे रोगों बढ़ रहे है।

कृषि वैज्ञानिकों के मुताबिक भूरा माहू धान के पौधे के निचले हिस्से में रहकर रस चूसता है। इसका प्रकोप बढ़ने पर खेत में जगह-जगह पौधे सूख रहे हैं, जिससे गोलाकार सूखे क्षेत्र दिखाई देने लगा हैं, जिसे विज्ञानी भाषा में हापर बर्न कहा जाता है। इसमें तना छेदक की सुंडी पौधे के तने के अंदर पहुंचकर नुकसान करती है। इससे बीच का भाग सूख जाता है और धान की बालियां निकलने के बाद उनमें दाने नहीं बनते।

बासमती किस्मों के लिए बड़ी चिंता

जवाहरलाल नेहरू कृषि विशेषज्ञों के अनुसार दाना बनने और पकने की अवस्था में कीट या रोग का अधिक प्रकोप होने पर उत्पादन के साथ दाने की गुणवत्ता प्रभावित होने की आशंका रहती है। सुगंधित और बासमती किस्मों में यह चिंता इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि बाजार में गुणवत्ता के आधार पर कीमत तय होती है। हालांकि किसी क्षेत्र में वर्तमान नुकसान का आकलन खेतों के सर्वे और नमूनों की जांच के बाद ही किया जा सकेगा।

किसान अभी क्या करें?

- जेएनकेविवि के वैज्ञानिक डॉ. अमित झा ने बताया कि धान में बढ़ रही बीमारी को देखते हुए सलाह दी है कि किसान नियमित रूप से खेत का निरीक्षण करें। पौधों के निचले हिस्से में भूरा माहू, पत्तियों का पीला पड़ना या पौधों का सूखना दिखाई देने पर तत्काल कृषि विशेषज्ञ से सलाह लें।
- भूरा माहू का प्रकोप होने पर सलाह में डायनोटेफ्यूरान आधारित दवा अथवा स्थानीय रूप से पंजीकृत अनुशंसा के अनुसार कीटनाशक के उपयोग की बात कही गई है। छिड़काव करते समय दवा पौधे के निचले तने वाले हिस्से तक पहुंचना जरूरी है।
- तना छेदक की निगरानी के लिए खेत में सूखी गोभ और सफेद बालियों वाले पौधों को देखें। आईसीएआर की सलाह में तना छेदक की निगरानी के लिए फेरोमोन ट्रैप के उपयोग का भी उल्लेख है।

रोगों पर भी रखें नजर

धान में पत्तियों या तने पर ब्लास्ट, जीवाणु झुलसा और शीथ ब्लाइट के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल पहचान कर उपचार किया जाना चाहिए। ब्लास्ट और शीथ ब्लाइट के लिए पंजीकृत फफूंदनाशकों के उपयोग तथा जरूरत होने पर 12 से 15 दिन बाद दोबारा छिड़काव करें।

बिहार के युवा इन्फ्लुएंसरों को सीएम ने दिखाई उज्जैन की गौरवगाथा, बोले-

इतिहास से भविष्य तक दिखेगा भारत का वैभव, विकास की तस्वीरों से कराया रूबरू

वीर भारत संग्रहालय और सर्प उद्यान से लेकर सिंहस्थ 2028 की तैयारियों तक दी जानकारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देवास रोड स्थित वीवीआईपी अतिथि गृह में बिहार से उज्जैन पहुंचे 16 सदस्यीय युवा सामाजिक माध्यम प्रभावक दल से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने युवाओं से उज्जैन की प्राचीन विरासत, धार्मिक परंपराओं, ऐतिहासिक महत्व और पर्यटन की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने युवाओं से कई सवाल भी किए और उज्जैन से जुड़े महत्वपूर्ण ऐतिहासिक तथ्यों की जानकारी दी। संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्जैन केवल धार्मिक आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि भारत की हजारों वर्ष पुरानी संस्कृति, ज्ञान और परंपरा का जीवंत प्रतीक है।

वीर भारत संग्रहालय में दिखेगा भारत का गौरवशाली इतिहास

मुख्यमंत्री ने बिहार से आए युवाओं को निर्माणाधीन वीर भारत संग्रहालय की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह संग्रहालय भारत के प्राचीन काल से लेकर आधुनिक युग तक की गौरवगाथा को एक ही स्थान पर प्रस्तुत करेगा। यहां वैदिक काल, रामायण और महाभारत युग, विक्रमादित्य काल से लेकर स्वतंत्रता संग्राम तक की महत्वपूर्ण घटनाओं और महान राष्ट्रनायकों के योगदान को प्रदर्शित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संग्रहालय का उद्देश्य केवल इतिहास को प्रदर्शित करना नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को देश के निर्माण में महान व्यक्तित्वों की भूमिका और भारत की समृद्ध परंपरा से जोड़ना भी है। युवा पीढ़ी जब इस इतिहास को करीब से देखेगी तो उसे देश की सांस्कृतिक और राष्ट्रीय यात्रा को समझने का अवसर मिलेगा।

सर्प उद्यान बनेगा संरक्षण और जागरूकता का केंद्र

मुख्यमंत्री ने उज्जैन में निर्माणाधीन सर्प उद्यान के बारे में भी युवाओं को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उज्जैन को सर्प मित्र नगरी के रूप में विकसित करने की दिशा में काम किया जा रहा है। सर्प उद्यान को केवल घूमने-फिरने के स्थान के रूप में नहीं, बल्कि सर्प संरक्षण और पर्यावरण जागरूकता के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। डॉ. यादव ने कहा कि प्रकृति के संतुलन में प्रत्येक जीव की अपनी भूमिका होती है। सर्पों को लेकर समाज में कई तरह की भ्रांतियां हैं। इन भ्रांतियों को दूर करना और लोगों को सर्पों के प्राकृतिक महत्व के बारे में जानकारी देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जैव विविधता और पर्यावरण संरक्षण के लिए जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना समय की आवश्यकता है। और उज्जैन में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी भी दी। उन्होंने उज्जैन की धार्मिक पहचान, प्राचीन परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत के बारे में विस्तार से बताया। भगवान महाकाल की नगरी के रूप में उज्जैन की विशिष्ट पहचान और देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए विकसित की जा रही सुविधाओं पर भी चर्चा हुई।

युवा सामाजिक माध्यम प्रभावकों को मिलेगा जमीनी अनुभव

बिहार से आए 16 सदस्यीय युवा दल के सदस्य उज्जैन प्रवास के दौरान शहर के प्रमुख धार्मिक, ऐतिहासिक और पर्यटन स्थलों का भ्रमण करेंगे। इस दौरान वे सिंहस्थ 2028 की तैयारियों, शहर में चल रहे विकास कार्यों और उज्जैन की सांस्कृतिक विरासत को करीब से समझेंगे।

देशभर तक पहुंचेगी उज्जैन की विरासत

बिहार से आए युवा सामाजिक माध्यम प्रभावकों का उज्जैन दौरा शहर की सांस्कृतिक विरासत और विकास कार्यों को देश के अलग-अलग हिस्सों तक पहुंचाने का माध्यम भी बनेगा। अपने भ्रमण के दौरान दल के सदस्य उज्जैन के धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों के साथ यहां हो रहे बदलावों को भी करीब से देखेंगे। मुख्यमंत्री ने युवाओं के साथ संवाद में उज्जैन की पहचान को केवल धार्मिक नगरी तक सीमित न रखते हुए इसे इतिहास, संस्कृति, पर्यावरण और पर्यटन के व्यापक केंद्र के रूप में प्रस्तुत किया। सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के बीच युवाओं का यह दौरा उज्जैन की प्राचीन विरासत और बदलते स्वरूप से देश के अन्य हिस्सों के लोगों को परिचित कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है।

ईएसबी और एमपीपीएससी से भर्ती प्रक्रिया तेज

85 हजार सरकारी पदों पर भर्ती की रफ्तार तेज, पदोन्नति के बाद खाली पद भी भरे जाएंगे

आंगनबाड़ी के 2548 पदों पर भी कार्रवाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में सरकारी विभागों में लंबे समय से खाली पड़े पदों को भरने की प्रक्रिया तेज हो गई है। राज्य सरकार करीब 85 हजार रिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया आगे बढ़ा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि इन पदों पर भर्ती के साथ अधिकारियों और कर्मचारियों की पदोन्नति के बाद खाली होने वाले पदों को भी भरा जाएगा। इसके लिए विभागवार रिक्त पदों की जानकारी जुटाने के साथ भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा है। वर्ष 2026 में कर्मचारी चयन मंडल और मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से रिक्त पदों के लिए विज्ञापन जारी करने और भर्ती प्रक्रिया पूरी करने का काम चल रहा है।

सरकारी विभागों में अधिकारियों और कर्मचारियों की कमी के कारण कामकाज प्रभावित होने की शिकायतों के बीच सरकार ने दिसंबर 2025 से रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया तेज करने का निर्णय लिया था। सामान्य प्रशासन विभाग के माध्यम से सभी विभागों से रिक्त पदों की जानकारी मांगी गई। इसके बाद मुख्यमंत्री ने करीब एक लाख पदों पर भर्ती के निर्देश दिए थे। अब अलग-अलग भर्ती संस्थाओं के माध्यम से इन पदों को भरने की प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ रही है। विभिन्न विभागों में रिक्त पदों को भरने के लिए कर्मचारी चयन मंडल, मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग और मध्यप्रदेश ऑनलाइन के माध्यम से भर्ती की जा रही है। महिला एवं बाल विकास विभाग में भी भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई है। यहां आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 781 और आंगनबाड़ी सहायिका के 1767 पदों पर भर्ती की कार्रवाई की गई है।

दस साल बाद पदोन्नति से खुले नए पद

मध्यप्रदेश में करीब दस साल से रुकी अधिकारियों और कर्मचारियों की पदोन्नति प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। मुख्यमंत्री के मुताबिक, पहले चरण की विभागीय पदोन्नति समिति की प्रक्रिया के बाद करीब एक लाख अधिकारियों और कर्मचारियों को पदोन्नति दी गई है। पदोन्नति के बाद विभिन्न विभागों में कई पद खाली हुए हैं। अब इन पदों की भी गणना कराई जा रही है। रिक्तियों की जानकारी मिलने के बाद संबंधित विभागों को इन पदों पर भर्ती के निर्देश दिए जाएंगे। तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के प्रांतीय महामंत्री उमाशंकर तिवारी ने कहा कि सरकारी विभागों में रिक्त पदों पर भर्ती होना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया को केवल एक बार तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए, बल्कि इसे लगातार जारी रखना चाहिए।

शिक्षक भर्ती आंदोलन में आएंगे राहुल गांधी! प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों ने किया बड़ा दावा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में वर्ग-2 और वर्ग-3 शिक्षक भर्ती में पद बढ़ाने की मांग को लेकर अभ्यर्थियों का आंदोलन रविवार को 31वें दिन भी जारी रहा। अब आंदोलन में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के शामिल होने का दावा किया गया है। पदवृद्धि की मांग को लेकर निर्जल अनशन कर रहे नरेंद्र राजपूत ने कहा कि राहुल गांधी से संपर्क हुआ है और उनकी ओर से आंदोलन स्थल पर आने का संदेश मिला है। राजपूत के मुताबिक, राहुल गांधी ने आंदोलन में शामिल होने की पुष्टि की है और जल्द भोपाल आ सकते हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि उनका आंदोलन किसी दूसरी मांग को लेकर नहीं, बल्कि शिक्षक भर्ती में अतिरिक्त पद जोड़कर एक और काउंसलिंग कराने के लिए है। उनका तर्क है कि बड़ी संख्या में अभ्यर्थी बेहतर परसेंटाइल और रैंक होने के बावजूद पदों की संख्या सीमित होने के कारण चयन से बाहर रह गए हैं।

10 दिन से निर्जल अनशन पर नरेंद्र राजपूत

नरेंद्र राजपूत पिछले 10 दिन से निर्जल भूख हड़ताल पर हैं। आंदोलन के दौरान उनकी तबीयत लगातार बिगड़ने की बात अभ्यर्थियों ने कही है। राजपूत का कहना है कि यदि रिजल्ट जारी होने के बाद पदवृद्धि का कोई प्रावधान नहीं है तो वर्ष 2022 में किस आधार पर अतिरिक्त पद बढ़ाए गए थे। उन्होंने कहा कि सरकार को पुराने आदेश और नियम सामने रखकर अभ्यर्थियों से बातचीत करनी चाहिए। यदि पदवृद्धि कानूनी रूप से संभव नहीं है तो विभाग अभ्यर्थियों के बीच आकर इसकी स्पष्ट वजह बताए।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के कार्यक्रम में मिमिक्री पर सियासी संग्राम

भाजपा बोली-माफी मांगें, कांग्रेस ने कहा-विवाद खड़ा करना गलत

कार्यक्रम में स्टैंडअप कॉमेडियन पुलकित मणि ने की थी पीएम मोदी की मिमिक्री

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राहुल गांधी के इंदौर में हुए 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के बाद अब मंच पर हुई मिमिक्री को लेकर भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने हैं। कार्यक्रम में स्टैंडअप कॉमेडियन पुलकित मणि ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मिमिक्री की थी। इसके बाद भाजपा नेताओं ने इसे प्रधानमंत्री और उनकी दिवंगत मां के अपमान से जोड़ते हुए कांग्रेस पर हमला बोला। वहीं, कांग्रेस ने इन आरोपों को खारिज किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि कार्यक्रम का केंद्र छात्रों की शिक्षा, रोजगार और उनसे जुड़े मुद्दे थे। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के जरिए शिक्षा व्यवस्था और युवाओं की समस्याओं को सामने लाया गया और इसके अलावा किसी तरह का नकारात्मक नैरेटिव तैयार करना गलत है। पटवारी ने यह भी कहा कि उनकी नजर में दिवंगत मां का मजाक नहीं उड़ाया गया।

विजयवर्गीय ने कहा- राजनीति का स्तर नहीं गिरना चाहिए

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मिमिक्री को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राजनीति का उद्देश्य विकास और जनता की समस्याओं का समाधान होना चाहिए। उनके मुताबिक, भीड़ जुटाने या मनोरंजन के लिए मिमिक्री का सहारा लेना राजनीति के मूल उद्देश्य से अलग है। विजयवर्गीय ने मां के सम्मान को भारतीय संस्कृति से जोड़ते हुए कहा कि किसी भी मां का अपमान स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस से माफी की मांग भी की। भाजपा की ओर से राष्ट्रीय स्तर पर भी इस मामले को लेकर कांग्रेस की आलोचना की गई है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस को 'कॉमेडियन और जोकरों की पार्टी' बताया, जबकि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कार्यक्रम में प्रधानमंत्री की दिवंगत मां के अपमान का आरोप लगाया। ये भाजपा नेताओं की राजनीतिक प्रतिक्रियाएं हैं।

डीएवीवी में बनेगा 8 करोड़ का भव्य लेक्चर थिएटर

डिजिटल कक्षाओं के साथ मिलेंगी बहुत सारी सौगातें

इंदौर, दोपहर मेट्रो

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय प्रशासन अपने तक्षशिला परिसर में विद्यार्थियों की बढ़ती संख्या और कक्षाओं की कमी की समस्या को हल करने के लिए एक बड़ा कदम उठाने जा रहा है। विश्वविद्यालय प्रशासन 8 करोड़ रुपये की लागत से 3 मंजिला नए लेक्चर थिएटर भवन का निर्माण करने की योजना पर कार्य कर रहा है। विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद द्वारा इस निर्माण प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अधिकारियों के अनुसार इस नए परिसर और भवन का निर्माण कार्य पूर्ण होने में करीब 2 वर्ष का समय लगने का अनुमान है।

शैक्षणिक गतिविधियों का विस्तार होगा

इस नए निर्माण का प्राथमिक उद्देश्य विश्वविद्यालय में जारी अध्ययन गतिविधियों को गति प्रदान करना है। नया भवन बनने के बाद विभिन्न अध्ययन विभाग अपने विद्यार्थियों की दैनिक कक्षाएं यहां सुगमता से आयोजित कर पाएंगे। इससे वर्तमान समय में विभिन्न कक्षाओं पर बना हुआ अतिरिक्त दबाव कम होगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस नए भवन का उपयोग पूरी तरह शैक्षणिक गतिविधियों के लिए निर्धारित रहेगा, जबकि विभागों से जुड़े प्रशासनिक कार्य पहले की तरह संबंधित विभागीय परिसरों से ही संचालित किए जाएंगे।

मेट्रो एंकर

शिक्षा में ज्ञान के साथ व्यवहार, संवेदना, कौशल और जीवन-मूल्यों के विकास पर जोर

विद्यार्थी को समझकर पढ़ाएं, तभी शिक्षा बनेगी जीवन का आधार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि शिक्षा का मकसद केवल विद्यार्थियों को विषय का ज्ञान देना नहीं है। वास्तविक शिक्षा वही है, जो विद्यार्थी की रुचि, क्षमता, स्वभाव और जरूरतों को समझते हुए उसके व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करे। शिक्षक को भी विद्यार्थियों के साथ उसी तरह जुड़ना चाहिए, जैसे परिवार में बच्चों की आदतों और रुचियों को समझकर उनका मार्गदर्शन किया जाता है। मंत्री भोपाल स्थित राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान के सभागार में विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के अनुभवात्मक अध्यापक विकास कार्यक्रम के क्षेत्रीय प्रशिक्षण एवं अभिमुखीकरण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे।

परमार ने कहा कि शिक्षक का दायित्व केवल पाठ्यक्रम पूरा करना नहीं है। उन्हें विद्यार्थियों में सीखने की जिज्ञासा, संवेदनशीलता, जीवन-मूल्य और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना भी विकसित करनी होगी। अनुभव आधारित शिक्षण से विद्यार्थी किताबों में मिले ज्ञान को अपने जीवन और व्यवहार से जोड़ना सीखता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा पद्धति में लगातार बदलाव और अनुभव के आधार पर नए प्रयोग समय की जरूरत हैं। शिक्षक विद्यार्थियों के ज्ञान के साथ उनके व्यवहार, कौशल और व्यक्तित्व निर्माण में भी सहभागी बनें, तभी शिक्षा अपने व्यापक उद्देश्य को हासिल कर सकेगी। मंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में अन्य भारतीय भाषाओं को विद्यार्थियों के लिए श्रेयांक सहित पढ़ाने की कार्ययोजना पर काम किया जा रहा है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को देश की भाषाई विविधता से परिचित कराने के साथ अलग-अलग राज्यों और समाजों के बीच आत्मीयता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि भाषा केवल बातचीत का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कृति और भावनाओं को समझने का सेतु है। मध्यप्रदेश का विद्यार्थी यदि देश के दूसरे हिस्सों की भाषाओं के कुछ शब्द और अभिव्यक्तियां सीखेगा तो दूसरे राज्यों में पढ़ाई, रोजगार या अन्य अवसरों के दौरान उसे संवाद में सहजता महसूस होगी।

पंचकोशात्मक विकास पर शिक्षकों को प्रशिक्षण

कार्यक्रम में शिक्षकों को पंचकोशात्मक विकास और पंचपदी शिक्षण पद्धति के माध्यम से विद्यार्थी केंद्रित और अनुभव आधारित शिक्षा का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। 20 सितंबर को चार सत्रों में प्रतिभागियों का अभिमुखीकरण किया गया। इसके बाद 21 से 24 सितंबर तक देशभर से आए प्रतिभागी मध्यप्रदेश में विद्या भारती द्वारा संचालित 31 विद्यालयों में रहकर इन शिक्षण पद्धतियों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करेंगे। कार्यक्रम में विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान और विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के पदाधिकारी, शिक्षक-प्रशिक्षक तथा देश के अलग-अलग राज्यों से आए शिक्षक और शिक्षाविद शामिल हुए। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद, अंतर-विश्वविद्यालय शिक्षक शिक्षा केंद्र, वाराणसी और राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल कार्यक्रम के सह-संयोजक हैं।

लोकतंत्र की आवाज

लोकतंत्र की चर्चा अक्सर चुनाव, संसद और सत्ता परिवर्तन तक सीमित रह जाती है। लेकिन लोकतंत्र की असली परीक्षा वहां होती है, जहां किसी कमजोर नागरिक के अधिकारों पर चोट पड़ती है और उसके पक्ष में खड़ा होने वाला कोई व्यक्ति बिना निजी लाभ की अपेक्षा के सवाल उठाता है। नागरिक स्वतंत्रता के लिए संघर्ष केवल आंदोलनों या अदालतों तक सीमित नहीं रहा। घटनाओं की स्वतंत्र जांच और तथ्यात्मक रिपोर्ट तैयार करना इसकी महत्वपूर्ण ताकत रही है। पीयूडीआर, पीयूसीएल, एपीडीआर और सीपीडीआर जैसे संगठनों ने अलग-अलग दौर में नागरिक अधिकारों के उल्लंघन को सामने लाने का काम किया। उनके जांच दल घटनास्थल तक जाते, पीड़ितों और गवाहों से बातचीत करते और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर रिपोर्ट तैयार करते। यह प्रक्रिया इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि किसी घटना का आधिकारिक बयान उसका पूरा सच नहीं होता। लोकतंत्र में पीड़ित की गवाही और स्वतंत्र जांच भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। इस आंदोलन ने समय के साथ अपने दायरे को भी विस्तृत किया। महिला कार्यकर्ताओं ने यह सवाल उठाया कि यदि राज्य की हिंसा नागरिक अधिकारों का विषय है, तो घर के भीतर होने वाली हिंसा, दहेज हत्या और महिलाओं के अधिकारों को इससे अलग कैसे रखा जा सकता है? धीरे-धीरे महिलाओं के अधिकार भी नागरिक स्वतंत्रता के व्यापक विमर्श का हिस्सा बने। यह बदलाव बताता है कि अधिकारों की समझ समाज के अनुभवों के साथ विकसित होती है। इस परंपरा की सबसे बड़ी खूबी शायद यह है कि इसके अनेक कार्यकर्ता अपने योगदान का श्रेय लेने से बचते रहे। आज सूचना की भरमार है, लेकिन सत्य तक पहुंचना आसान नहीं। ऐसे समय में स्वतंत्र तथ्य-जांच, नागरिक निगरानी और सत्ता से सवाल करने वाली संस्थाओं की जरूरत कम नहीं हुई है। लोकतंत्र केवल बहुमत की व्यवस्था नहीं है। उसकी आत्मा उस अधिकार में भी बसती है, जो अल्पसंख्यक, कमजोर और हाशिये पर खड़े व्यक्ति को अपनी बात कहने का अवसर देता है। इसलिए नागरिक स्वतंत्रता की लड़ाई किसी एक संगठन या दौर की जरूरत नहीं। जब तक सत्ता और नागरिक के बीच सवाल मौजूद हैं, तब तक उन सवालों को निर्भीकता से उठाने वाली आवाज भी जरूरी रहेगी।

एनजीओ के नाम पर हो रही विदेशी फंडिंग पर कड़े अंकुश की तैयारी

आलोक मेहता
वरिष्ठ पत्रकार

मोदी सरकार ने 2020 में विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम यानी एफसीआरए 2010 में संशोधन करके गैर-सरकारी संगठनों के लिए नियमों को अधिक सख्त और पारदर्शी बनाया। एनजीओ के एफसीआरए प्रमाण पत्र की वैधता की जांच और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए नवीनीकरण नियमों को कड़ा किया गया। अब 2026 में सरकार ने इस कानून में संशोधन का विधेयक पेश किया। संसद में विरोध होने पर विधेयक संयुक्त संसदीय समिति की समीक्षा के लिए भेजा गया , ताकि शीतकालीन सत्र में इसे पेश किया जा सके। नए प्रस्तावित कानून के अनुसार पंजीकरण रद्द होने पर एनजीओ की बची संपत्ति और फंड के प्रबंधन के लिए 'नामित प्राधिकारी' का प्रावधान है ।साथ ही एनजीओ को अपने सोशल मीडिया खातों और गतिविधियों के भौगोलिक दायरे की जानकारी देना अनिवार्य किया गया। इसका उद्देश्य विदेशी फंड के दुरुपयोग को रोकना और डिजिटल निगरानी को मजबूत करना है।

इस सप्ताह 18 सितंबर को विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम यानी एफसीआरए संशोधन विधेयक पर विचार कर रही 31 सदस्यीय संयुक्त संसदीय समिति की पहली बैठक हुई। समिति के अध्यक्ष के रूप में संजय जायसवाल, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन की बैठक में उपस्थिति और समिति को शीतकालीन सत्र से पहले रिपोर्ट देने की संभावना है। गृह मंत्रालय द्वारा एफसीआरए को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़कर प्रस्तुत किए जाने का दावा भी है। बताया जाता है कि भारत में विदेशी चंदा लेने वाले एनजीओ की संख्या लगभग 29,000 से घटकर 14,000 रह गई है। गृह मंत्रालय की प्रस्तुति में विदेशी योगदान ?17,832 करोड़ से बढ़कर 22,974 करोड़ होने का दावा किया गया है। देश में गैर-सरकारी संगठनों यानी एनजीओ की भूमिका महत्वपूर्ण है। ये संगठन शिक्षा, स्वास्थ्य, आदिवासी विकास, महिला सशक्तीकरण, बाल कल्याण, पर्यावरण, गरीबी उन्मूलन और मानवाधिकार जैसे क्षेत्रों में काम करते हैं। दूसरी ओर, जब इन्हीं संस्थाओं को विदेशों से बड़ी मात्रा में धन मिलता है और वे सरकार की नीतियों, बड़े विकास-परियोजनाओं या राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े प्रश्नों पर सक्रिय भूमिका निभाते हैं, तो विदेशी धन के स्रोत, उद्देश्य, उपयोग और निगरानी पर सवाल उठते हैं। 2010 में लगभग 29,700 संगठनों के पास एफसीआरए पंजीकरण होने का आंकड़ा एक रिपोर्ट में दिया गया था। 2017 तक सरकार ने संसद में बड़ी संख्या में एफसीआरए पंजीकरण रद्द किए जाने की जानकारी दी थी। हालांकि, रद्दीकरण के कारण अलग-अलग थे। कुछ मामलों में वार्षिक रिटर्न न देना, कुछ में नवीनीकरण के लिए आवेदन न करना और कुछ में कथित उल्लंघन शामिल थे।2017 में लगभग 11,319 एनजीओ के पंजीकरण समाप्त होने की बात सामने आई।

2026 में लगभग 14,449 सक्रिय एफसीआरए पंजीकरण होने का दावा किया गया। 2010 के बाद एफसीआरए पंजीकृत संगठनों की संख्या में बड़ी कमी आई। यदि ?17,832 करोड़ से ?22,974 करोड़ की तुलना आधिकारिक गृह मंत्रालय के आंकड़ों से प्रमाणित होती है, तो इससे यह संकेत मिलता है कि कम संख्या में संगठन अपेक्षाकृत अधिक विदेशी धन प्राप्त कर रहे हैं। विदेशी अनुदान से चलने वाले अनेक संगठन अस्पताल, स्कूल, राहत कार्य, ग्रामीण विकास, विकलांगता सहायता, महिला एवं बाल कल्याण तथा आपदा राहत जैसे क्षेत्रों में काम करते हैं।समस्या तब पैदा होती है जब धन के वास्तविक स्रोत को छिपाया जाए; धन का उपयोग घोषित उद्देश्य के बजाय किसी अन्य उद्देश्य में हो; एनजीओ विदेशी संस्था के राजनीतिक या रणनीतिक एजेंडे का माध्यम बन जाए; विदेशी धन का उपयोग हिंसक या गैर-कानूनी गतिविधियों के लिए हो;धन का इस्तेमाल कानून-विरुद्ध धार्मिक गतिविधियों में हो; या संगठन घोषित सामाजिक कार्य की आड़ में प्रतिबंधित गतिविधियों में शामिल हो।

एफसीआरए मूल रूप से 1976 में बनाया गया था। इसका उद्देश्य विदेशी योगदान और विदेशी आतिथ्य को नियंत्रित करना था, ताकि विदेशी धन भारतीय राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन को अनुचित रूप से प्रभावित न करे। 2010 में नया एफसीआरए कानून लागू हुआ। इसके तहत विदेशी योगदान प्राप्त करने वाले पात्र संगठनों को पंजीकरण, नवीनीकरण, बैंकिंग, लेखांकन और वार्षिक रिपोर्टिंग से जुड़े नियमों का पालन करना पड़ता है।2020 में कानून में महत्वपूर्ण बदलाव हुए। इनमें विदेशी योगदान के लिए निर्दिष्ट बैंक खाते की व्यवस्था, प्रशासनिक खर्च पर सीमा और विदेशी योगदान के हस्तांतरण पर प्रतिबंध शामिल थे।सरकार का तर्क रहा है कि विदेश से आने वाले धन का स्रोत और उपयोग स्पष्ट होना चाहिए। ।सरकार के अनुसार उद्देश्य इन संगठनों को समाप्त करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि विदेशी धन भारतीय कानूनों के अनुरूप खर्च हो। सरकार की ओर से आरोप लगाया गया कि कुछ विदेशी-वित्तपोषित गतिविधियां भारत के आर्थिक हितों को नुकसान पहुंचा सकती हैं। 18 सितंबर 2026 को गृह मंत्रालय द्वारा संयुक्त संसदीय समिति के सामने कुडनकुलम परमाणु संयंत्र और सरदार सरोवर बाँध से जुड़े विरोधों का उल्लेख हुआ। सरकार की चिंता यह हो सकती है कि यदि विदेशी धन प्राप्त करने वाला संगठन भारत की ऊर्जा या इंफ्रास्ट्रक्चर को प्रभावित करने के उद्देश्य से अभियान चलाता है, तो उसकी फंडिंग और गतिविधियों की जांच की जाए।यदि जांच में प्रमाणित हो कि कोई संस्था विदेशी धन छिपाकर प्रतिबंधित गतिविधि में लगा रही है, हिंसा को वित्त दे रही है, विदेशी राजनीतिक हस्तक्षेप का माध्यम बन रही है या एफसीआरए के उद्देश्य के विरुद्ध धन का उपयोग कर रही है, तो सरकार के पास कानून के अनुसार कार्रवाई का आधार हो सकता है। बहस का एक हिस्सा धार्मिक संस्थाओं से संबंधित है। धार्मिक संगठन भी अन्य संगठनों की तरह एफसीआरए के वित्तीय और प्रशासनिक नियमों के अधीन हैं। विदेशी धन और धार्मिक गतिविधियों के बीच संबंध होने मात्र से उल्लंघन सिद्ध नहीं होता।

संसद में महत्वपूर्ण क़ानूनी परिवर्तन से सामाजिक क्षेत्र में स्वच्छता और स्वयंसेवी का चोला पहनकर राष्ट्र विरोधी गतिविधियां चलाने वाले कुछ संगठनों पर नियंत्रण पर हंगामा होता है। गरीबों , विकास , मानव अधिकार के नाम पर विदेशी मुद्रा में करोड़ों रुपया लेकर आलीशान बंगलों , कारों , होटलों में एश करने और सम्मेलन , संगोष्ठी के बहाने विदेशों की सैर करने वालों को अब अपना धंधा बंद करना पद रहा है । सचमुच समाज की सेवा के लिए समर्पित संस्थाओं को अधिक गरिमा और विश्वसनीयता से काम करने की सुविधा होगी। माओवादियों और आतंकवादी समूहों को संदिग्ध एन जी ओ से पर्दे के पीछे मिलने वाली मदद पर अंकुश लग सकेगा।

यह मुद्दा नया नहीं है। कई लोगों को ग़लतफ़हमी है कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ही पूर्वाग्रही है। मनमोहन सिंह सरकार के गृह मंत्री ने भी 2010 संसद में माना था कि ' विदेशी फण्ड लेने वाले अनेक एन जी ओ न तो बाहर से आने वाली धनराशि का पूरा विवरण देते हैं और न ही कोई हिसाब देते हैं। स्थिति इतनी अजीब रही कि विदेशी मुद्रा में इन संगठनों के पास बीस हजार करोड़ रुपयों का फण्ड आया और उन्होंने दस हजार करोड़ कहाँ खर्च किया इसकी कोई जानकारी किसीको नहीं दी। ' इस स्वीकारोक्ति के बावजूद सरकार ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। इसलिए एन जी ओ के पास विदेश फण्ड की धनराशि बढ़ती रही। गैर सरकारी स्वयंसेवी संगठन को प्राम्भिक वर्षों में सरकार ने उदारतापूर्वक विदेशी अनुदान लेने दिया। 1976 में विदेशी मुद्रा लेने वाले संगठनों को सौ प्रतिशत प्रशासकीय खर्च दिखाने की सबविधा मिली। बड़ी संख्या में ऐसे एन जी ओ के हिसाब किताब और गतिविधियों की जानकारियां मिलने के बाद सरकार ने प्रशासकीय खर्च की सीमा पचास प्रतिशत कर दी। फिर भी प्रभावशाली लोगों के नाम साथ में जोड़कर कई संस्थाएं मौज मस्ती के साथ धन का दुरूपयोग करती रहीं। आप कल्पना नहीं कर सकते कि देश के 26 राज्यों में करीब 31 लाख एन जी ओ रहे हैं। सरकार ने संसद में भी माना था कि पिछले दशकों में एन जी ओ को लगभग दो लाख करोड़ रूपये उनसे मिले। गृह मंत्रालय के पास भी कुछ राज्यों से यह रिपोर्ट मिली कि कुछ संगठनों ने धर्म परिवर्तन , नक्सली आंदोलनों , जाति - धर्म या समस्याओं के नाम पर लोगों को भड़काने के लिए विदेशी चंदे का इस्तेमाल किया।

इस पृष्ठभूमि में मोदी सरकार ने बाकायदा महीनों तक विभिन्न दलों की संसदीय समिति में विचार विमर्श के बाद विदेशी अभिदाय विनियमन 2010 में संशोधन कर विधेयक को संसद के इस स्तर में बहस के साथ पारित करवा लिया और एन जी ओ की सीमाएं तय कर दी। इसमें कोई शक नहीं कि सैकड़ों स्वयंसेवी संगठन ईमानदारी से काम कर रहे हैं। उन्हें इस कानून से अधिक लाभ होगा। देश विदेश में उनकी साख भी बढ़ेगी। अन्यथा भारत में एन जी ओ की छवि निरंतर बिगड़ रही थी। केंद्र सरकार ने करीब बीस हजार फर्जी किस्म के एन जी ओ का पंजीकरण रद्द किया अब तक कई संस्थाएं करोड़ों की धनराशि मंगाने के बाद दुकान की तरह संस्था बंद कर देते रहे हैं और उसकी जानकारी भी सरकार को नहीं देते। नया कानून बनने से अब उन्हें पंजीकरण रद्द करने के लिए बाकायदा सरकार को सूचित करना है। इसके तब तक के कामकाज की पूरी रिपोर्ट राज्य सरकार के अधिकारी देंगें , तब उसे बंद किये जाने का अधिकृत प्रमाण पत्र दिया जाएगा। इसी तरह नियमानुसार सरकारी अधिकारी किसी एन जी ओ में नहीं रह सकते हैं , लेकिन चतुर अधिकारी किसी परिजन के नाम पर संस्था चलाकर अपने प्रभाव से करोड़ों रूपये का विदेशी चंदा मंगवा लते थे। नए कानून के लागू होने के बाद उनकी ऐसी गतिविधि पकडे जाने पर दंडित होना पड़ेगा। अब अधिकारी ही नहीं ' पुब्लिक सर्वेंट ' की श्रेणी वाले लोगों पर भी यह नियम लागू हो गया। एक और तिकड़म कुछ एन जी ओ करते रहे। वे चंदा एक संस्था के नाम से मंगाते और कुछ समय में उसे दूसरी संस्था में ट्रांसफर कर देते थे।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस ...

युद्ध नहीं, संवाद से बनेगी दुनिया

सुनील कुमार महला
स्तंभकार

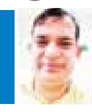

विश्व में शांति, अहिंसा और संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान का संदेश देने के लिए प्रतिवर्ष 21 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस मनाया जाता है। यह दिवस केवल युद्ध और हिंसा रोकने का संदेश ही नहीं देता, बल्कि दुनिया में सुरक्षा, गरिमा, अवसर, संवाद और सहयोग का वातावरण बनाने की आवश्यकता पर भी जोर देता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार शांति का अर्थ केवल युद्ध का न होना नहीं है, बल्कि ऐसा समाज बनाना भी है, जहां हर व्यक्ति स्वयं को सुरक्षित, सम्मानित और समान अवसरों वाला महसूस करे।

यदि हम इस दिवस के इतिहास की बात करें तो संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 1981 में अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस की स्थापना की थी। इसका पहला आयोजन सितंबर 1982 में किया गया। बाद में वर्ष 2001 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 सितंबर को स्थायी रूप से अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस के रूप में निर्धारित किया और इसे वैश्विक युद्धविराम तथा अहिंसा के दिन के रूप में मनाने का निर्णय लिया। वर्ष 2026 में अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस की थीम है- शांति में निवेश : सभी के लिए, हर जगह, हर दिन। वास्तव में, यह थीम इस बात पर जोर देती है कि शांति केवल सरकारों या अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है। शांति का निर्माण हमारे घरों, विद्यालयों, पड़ोस और समाज में रोजमर्रा के छोटे-छोटे प्रयासों से भी होता है।

आज के समय में दुनिया अनेक तरह के युद्धों, संघर्षों और तनावों से घिरी हुई है। हिंसा, युद्ध और संघर्षों के परिणाम हमेशा मानवजाति के लिए खतरनाक और घातक सिद्ध होते हैं। युद्ध केवल लोगों की जान नहीं लेते, बल्कि विकास की गति को भी रोक देते हैं। हिंसा और युद्ध मानव को वर्षों पीछे ले जाते हैं, जहां विकास मुंह ताकता दिखाई देता है, देश पिछड़ जाते हैं, मानवता रोती है और इंसानियत पर एक गहरा धब्बा लगता है।ऐसे में यहां पर यह समझना बहुत ही जरूरी है कि संवाद, समझ और बातचीत के माध्यम से समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन मतभेदों का समाधान हिंसा के माध्यम से करना मानवता का रास्ता नहीं हो सकता। अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस हमें यही संदेश देता है कि विवादों और मतभेदों को संवाद, समझ, बातचीत, कूटनीति और सहयोग के माध्यम से सुलझाने का प्रयास किया जाना चाहिए। आज दुनिया के सामने युद्ध और संघर्ष के साथ-साथ घृणा, भेदभाव, असहिष्णुता, सामाजिक विभाजन और अविश्वास जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं। इसलिए शांति का अर्थ केवल बंदूकों का शांत हो जाना नहीं है। वास्तविक शांति तब होगी, जब व्यक्ति स्वयं को सुरक्षित, सम्मानित और समान अवसरों वाला महसूस करे। शांति तभी स्थायी हो सकती है, जब समाज में न्याय, समानता, विश्वास, सहयोग और मानवीय गरिमा को महत्व मिले। बहरहाल, आज दुनिया के कई हिस्से युद्ध और तनाव की आग में झुलस रहे हैं। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध ने जान-माल की भारी क्षति के साथ वैश्विक स्तर पर आर्थिक और मानवीय प्रभाव पैदा किए हैं। वहीं गाजा और मध्य पूर्व में जारी संघर्ष गंभीर मानवीय संकट का कारण बना हुआ है।

यही कहना उचित होगा कि अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस हमें यह संदेश देता है कि यदि हम अपनी जिद, घृणा और बैर छोड़ दें तो लाखों जानें बचाई जा सकती हैं। असली शांति केवल सीमा पर युद्ध रुकने से नहीं आएगी, बल्कि हमारे आपसी तालमेल, समझदारी, सहिष्णुता और इंसानियत को प्राथमिकता देने से आएगी। शांति किसी एक देश, धर्म या समाज की जरूरत नहीं है, बल्कि पूरी मानवजाति की आवश्यकता है। यदि हर व्यक्ति अपने स्तर पर शांति, सम्मान और सद्भाव का एक छोटा-सा प्रयास करे तो दुनिया को बदलने की शुरुआत कहीं न कहीं से जरूर हो सकती है। हमें यह याद रखना चाहिए कि शांति केवल युद्ध का अभाव नहीं, बल्कि मानवता की जीत है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

हर व्यक्ति में अलग होती है विटामिन बी12 टैबलेट लेने की समय सीमा

हाथ पैरों में दर्द, झनझनाहट या कमजोरी विटामिन बी12 कमी का संकेत हो सकती है। विटामिन बी12 शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं को बनाने, डीएनए संश्लेषण और नर्वस सिस्टम के सामान्य कार्यों के लिए आवश्यक विटामिन होता है। इसकी कमी होने पर मेगालोब्लास्टिक एनीमिया के कारण थकान और कमजोरी होती है, जो लंबे समय के बाद झनझनाहट में महसूस हो सकती है। यह न्यूरोलॉजिकल परेशानी का संकेत हो सकता है। ऐसे में डॉक्टर अक्सर व्यक्ति को विटामिन बी12 के सप्लीमेंट्स टैबलेट के रूप में लेने की सलाह देते हैं। कुछ लोगों के मन में सवाल उठता है कि आखिर विटामिन बी12 की टैबलेट कितने समय तक लेना सुरक्षित माना जा सकता है और क्या इसकी समय सीमा हर व्यक्ति में अलग-अलग हो सकती है?

विटामिन बी12 ट्रीटमेंट का समय व्यक्ति के शरीर में कमी के कारण पर निर्भर करता है। अगर कमी खान-पान में बी12 की कमी के कारण हुई है और व्यक्ति अपनी डाइट को सुधार लेता है, तो डॉक्टर की सलाह के अनुसार ट्रीटमेंट की अवधि सीमित हो सकती है। वहीं, अगर शरीर बी12 को ठीक से अवशोषण नहीं कर पा रहा है, तो लंबे समय तक भी लेने की जरूरत पड़ सकती है। एनआईएच के अनुसार ऑटोइम्यून गैस्ट्रिक, टोटल गैस्ट्रेक्टॉमी या कंप्लीट टर्मिनल इलियल रिसेक्शन जैसी स्थायी खराब अवशोषण की स्थितियों में पूरी लाइफ भी बी12 लेने की जरूरत हो सकती है। इसलिए 'बी12 तीन महीने से ज्यादा नहीं लेना चाहिए' या 'बी12 हमेशा लेना सुरक्षित है '—दोनों बातें हर व्यक्ति पर लागू नहीं होती। विटामिन बी12 नसों, रेड ब्लड सेल्स और शरीर के सामान्य मेटाबॉलिज्म के लिए बेहद जरूरी पोषक तत्व है। इसकी कमी से थकान और कमजोरी के साथ न्यूरोलॉजिकल लक्षण भी हो सकते हैं। अच्छी बात यह है कि बी12 की टॉक्सिटी बेहद कम होती है और इसके लिए कोई निर्धारित अपर इंटेक लिमिट नहीं है। ऐसे में किस व्यक्ति को कितनी विटामिन बी12 लेनी है इसका निर्धारण आपके डॉक्टर आपकी मौजूदा रिपोर्ट के आधार पर कर सकते हैं।आहार में विटामिन बी12 की कमी में ओरल सप्लीमेंट्स इस्तेमाल की जा सकती है। लेकिन अगर बी12 अवशोषण में समस्या है, तो अधिक डोज या इंजेक्शन की आवश्यकता पड़ सकती है।

निशाना

आईने की तरह दोस्त हो जो कभी साथ छोड़े नहीं

रामकिशोर नाविक

झूठे अहसास ओढ़े नहीं
अश्क अपने निचोड़े नहीं
आईने की तरह दोस्त हो
जो कभी साथ छोड़े नहीं
हमने अपने करम के घड़े
और के सर पे फोड़े नहीं
साथ सबकी दुआएँ रहीं
बे-सबब तेज़ दौड़े नहीं
हैं नहीं वो जो दिखते हमें
सारे खच्चर हैं घोड़े नहीं
प्रेम है गाँठ विश्वास की
दूसरी चीज जोड़े नहीं
फौज है साथ अल्फाज़ की
मेरे सैनिक भगोड़े नहीं

नॉलेज स्टोरी

शनि पर मिली रहस्यमयी दस कोनों वाली विशाल वायुमंडलीय लहर

शनि ग्रह को आमतौर पर उसके शानदार छल्लों के लिए पहचाना जाता है, लेकिन इस ग्रह का वातावरण भी वैज्ञानिकों के लिए लगातार नए रहस्य खोल रहा है। हाल में वैज्ञानिकों ने शनि के दक्षिणी ध्रुव के आसपास वातावरण में एक ऐसी विशाल संरचना की पहचान की है, जिसका आकार सामान्य गोलाकार या साधारण तरंग जैसा नहीं, बल्कि करीब दस कोणों वाला है। यह खोज इसलिए खास है क्योंकि शनि के उत्तरी ध्रुव पर पहले से ही एक प्रसिद्ध छह कोणों वाला वायुमंडलीय पैटर्न मौजूद है।

इस नई खोज की कहानी भी कम दिलचस्प नहीं है। ऑस्ट्रेलिया के एक पूर्व खनिक और शौकिया खगोल विज्ञानी ट्रेवर बैरी ने 2024 में अपने घर के पीछे बने छोटे से वेधशाला केंद्र से शनि की तस्वीरें लेते समय उसके दक्षिणी ध्रुव के आसपास एक असामान्य हलचल देखी। उस समय यह स्पष्ट नहीं था कि वह वास्तव में क्या है। बाद में वैज्ञानिकों ने अलग-अलग स्रोतों से प्राप्त तस्वीरों और अंतरिक्ष दूरबीनों के आंकड़ों का अध्ययन किया। इस प्रक्रिया में नासा के हबल स्पेस टेलीस्कोप से मिले अवलोकन भी महत्वपूर्ण रहे।

वैज्ञानिकों के लिए सबसे दिलचस्प बात इसका आकार है। शनि के उत्तरी ध्रुव पर मौजूद प्रसिद्ध हेक्सागोन यानी छह कोणों वाली संरचना लंबे समय से अध्ययन का विषय रही है। लेकिन दक्षिणी ध्रुव पर मिली यह नई वायुमंडलीय तरंग दस कोणों वाली दिखाई देती है। इसका मतलब यह नहीं कि शनि के दक्षिणी ध्रुव पर कोई ठोस ज्यामितीय आकृति मौजूद है। यह वास्तव में ग्रह के ऊपरी वातावरण में चल रही विशाल गैसीय गतिविधियों से बनी संरचना है।

शनि गैसों से बना विशाल ग्रह है। वहां पृथ्वी जैसी ठोस सतह नहीं है, जिस पर खड़े होकर कोई इस घटना को देख सके। उसके वातावरण में तेज हवाएं, अलग-अलग तापमान वाली गैसों की परतें और विशाल तूफानी प्रणालियां मौजूद रहती हैं। इनकी आपसी गतिविधियों से ऐसे पैटर्न बन सकते हैं, जो बहुत बड़े क्षेत्र में दिखाई देते हैं।

इस खोज का एक और पहलू खास है—इसमें शौकिया खगोल विज्ञान की भूमिका सामने आई है। अत्याधुनिक अंतरिक्ष मिशनों और बड़ी वेधशालाओं के दौर में भी धरती पर मौजूद छोटे निजी टेलीस्कोप से किए गए अवलोकन किसी महत्वपूर्ण वैज्ञानिक सवाल की शुरुआत कर सकते हैं। ट्रेवर बैरी का अवलोकन इसी तरह आगे के अध्ययन का आधार बना।

अजब - गजब

पांच पीढ़ियां, एक जन्मदिन; आयोवा के परिवार ने बनाया विश्व रिकॉर्ड

अमेरिका के आयोवा राज्य के छोटे से शहर सिल्वर सिटी के एक परिवार के लिए 14 सितंबर अब सिर्फ कैलेंडर की तारीख नहीं, बल्कि परिवार की पांच पीढ़ियों को जोड़ने वाला खास दिन है। परिवार के लगातार पांच सदस्यों का जन्म एक ही तारीख को हुआ है। इस असाधारण संयोग को अब गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने आधिकारिक मान्यता दे दी है।

इस रिकॉर्ड की कहानी परिवार के सबसे छोटे सदस्य आर्थर बेल से शुरू होती है। उसका जन्म 14 सितंबर 2025 को हुआ। खास बात यह थी कि उसकी मां एम्मा बेल का जन्म भी 14 सितंबर 1997 को हुआ था। एम्मा के पिता डोनाल्ड हार्लो का जन्म 14 सितंबर 1972 को, उनकी मां एड्डी हार्लो का जन्म 14 सितंबर 1949 को और परिवार के सबसे बुजुर्ग सदस्य विल्बर हार्लो का जन्म 14 सितंबर 1907 को हुआ था। यानी 118 साल के अंतराल में पांच पीढ़ियों के जन्म की तारीख एक ही रही।

दिलचस्प बात यह है कि परिवार को लंबे समय से इस अनोखे संयोग के बारे में पता था। परिवार के लोग मजाक में कहते थे कि चार पीढ़ियों का एक ही दिन जन्म लेना तो शायद विश्व रिकॉर्ड होगा। लेकिन उन्होंने कभी आधिकारिक रिकॉर्ड के लिए आवेदन नहीं किया। बाद में जब एम्मा अपने दूसरे बच्चे की उम्मीद कर रही थीं और उसकी संभावित जन्मतिथि 14 सितंबर बताई गई, तब परिवार ने इस संयोग को गंभीरता से लिया। एम्मा ने बताया कि उनकी दादी एड्डी अक्सर कहा करती थीं कि 14 सितंबर को ही बच्चा पैदा होना चाहिए। एम्मा का पहला बच्चा समय से पहले पैदा हुआ था, इसलिए इस बार वह संभावित तारीख को लेकर विशेष रूप से उत्साहित थीं। आखिरकार आर्थर का जन्म ठीक 14 सितंबर को हुआ और परिवार का चार पीढ़ियों वाला संयोग पांच पीढ़ियों तक पहुंच गया। इस कहानी में एक और मजेदार संयोग है। पांचों पीढ़ियों का क्रम पुरुष, महिला, पुरुष, महिला और पुरुष का है। यानी विल्बर से शुरू हुआ क्रम आर्थर तक आते-आते लड़का, लड़की, लड़का, लड़की और फिर लड़के के रूप में आगे बढ़ा। परिवार के सदस्यों के लिए यह महज आंकड़ा नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही एक ऐसी घटना है, जिसकी संभावना बेहद कम है ।

गिनीज के अनुसार, इससे पहले अलग-अलग परिवारों में एक ही जन्मदिन साझा करने वाली चार पीढ़ियों के उदाहरण सामने आ चुके थे, लेकिन पांच लगातार पीढ़ियों का एक ही तारीख को जन्म लेना पहली बार आधिकारिक विश्व रिकॉर्ड बना है।

न्यूज विंडो

मुख्यमंत्री स्कूटी योजना के कार्यक्रम का विद्यालयों में हुआ वेबकास्ट प्रसारण

नरसिंहपुर। कलेक्टर रजनी सिंह के निर्देशन में जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री स्कूटी योजना के तहत स्कूटी वितरण कार्यक्रम का लाइव प्रसारण शासकीय हाईस्कूल तथा हायर सेकेंडरी विद्यालयों में किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी कुशवाहा ने बताया कि जिले 145 विद्यार्थी इस योजना से लाभान्वित हुए हैं। विद्यार्थियों ने इस प्रसारण को देखा तो वे भी अगली बार अच्छे अंक लाकर पास करने के लिए प्रेरित हुए हैं। इसके अंतर्गत पीएम श्री शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर, सांदीपनि विद्यालय नरसिंहपुर, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोरखपुर, शासकीय नेहरू उच्चतर विद्यालय नरसिंहपुर में सीधा प्रसारण देखा गया उक्त अवसर पर अभिभावक, प्राचार्यों के साथ बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने यह प्रसारण देखा।

सेवा संकल्प...जनप्रतिनिधि-पालकों ने देखी प्रदर्शनी, पालक-शिक्षक संवाद भी

नरसिंहपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले के 881 स्कूलों में 18,129 विद्यार्थियों ने चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। स्कूलों में कई तरह की गतिविधियां हुईं। आज जिले के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में 6 से 12 तक विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी लगाई। इसे देखने बड़ी संख्या स्थानीय जनप्रतिनिधि और शिक्षकों के साथ पालक भी पहुंचे। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा ने सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विद्यालयों में निर्धारित गतिविधियों के प्रभावी आयोजन के लिए विकासखंड शिक्षा अधिकारी, समस्त विकासखंड स्त्रोत समन्वयक को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। विद्यालय स्तर पर प्रदर्शनी में विकसित भारत की झलक भी नजर आई। इसके साथ ही चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने एक एक बढ़कर एक रचनात्मक संबोधन दिया। सभी ने उनकी सराहना की।
प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे। 26 सितंबर को सांदीपनि स्कूल खैरी नाका में जिला स्तरीय चित्रकला एवं प्रदर्शनी होगी। इसके लिए चयनित विद्यार्थियों की चित्रकला पोस्टर-फोटो फ्रेम 22 से 24 सितंबर तक लिए जाएंगे।

अंधे मोड़ पर बाइक अनियंत्रित, गिरे दो बाइक सवार घायल, जबलपुर रेफर

तेंदूखेड़ा। रविवार दोपहर थाना क्षेत्र के अंतर्गत तारादेही मार्ग पर स्थित बहेरिया की अंधे मोड़ पर तेज रफ्तार बाइक सवार अनियंत्रित होकर गिर पड़े। इसमें वे गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर 108 के पायलट शंकर यादव व डॉ. भगवान दास यादव ने उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराया। यहां से एक

युवक को जबलपुर रेफर कर दिया गया। नन्हेलाल गौड़ (72) वर्ष निवासी पिपरया व पूरन गौड़ (42) किसी काम से धनगौर कछार गांव गए थे। लौटते समय बहेरिया में अंधे मोड़ अचानक उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई और दोनों बाइक सवार गिर गए। पूरन को गंभीर चोटें आई हैं। उन्हें जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। लेकिन घायल निजी वाहन से नरसिंहपुर चले गए। उनका कहना है कि साथ में परिजन नहीं हैं, इसलिए पहले घर जाएंगे, नरसिंहपुर जिला अस्पताल में ही इलाज कराएंगे। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। जांच की जा रही है।

बड़े बाबा के दरबार में भक्ति का सैलाब

तेंदूखेड़ा। बड़े बाबा श्री शांतिनाथ भगवान के दरबार में रविवार को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मस्तकाभिषेक, शांतिधारा-शांतिविधान का आयोजन हुआ। उत्तम सत्य धर्म दिवस के पावन अवसर पर बड़ी संख्या में समाजजनों एवं श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर अभिषेक, पूजन एवं धार्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता की।
इस अवसर पर शांतिधारा के महापात्र बनने का सौभाग्य ताराचंद जैन, शैलेश जैन, संजय जैन, सुनील जैन वर्धमान मोबाइल परिवार तेंदूखेड़ा, अनिल चौधरी, मोहित चौधरी ज्ञान दीप विद्यालय परिवार, अरविन्द जैन सनाई वाला परिवार तथा सुरेंद्र जैन, सचिन जैन एवं शुभम जैन खमरिया वाला परिवार को प्राप्त हुआ। वहीं सौधर्म इंद्र बनने का सौभाग्य शिक्षक शिखरचंद जैन तथा सुदीप-सुबोध जैन परिवार को मिला।

सुबह उमस-गर्मी...शाम में मानसून की विदाई से पहले घंटेभर झमाझम बारिश

तेंदूखेड़ा। मानसून की विदाई से पहले रविवार को मौसम ने अचानक करवट बदली और शाम के समय करीब एक घंटे तक झमाझम बारिश हुई। सुबह से ही तेज गर्मी और उमस के कारण लोग परेशान रहे। दोपहर तक उमस भरी गर्मी का असर बना रहा, लेकिन शाम होते ही आसमान में बादल छा गए और कुछ ही देर बाद तेज बारिश शुरू हो गई। करीब एक घंटे तक हुई झमाझम बारिश से सड़कों पर पानी बहने लगा। बारिश के बाद तापमान में गिरावट आने से लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली। सुबह से गर्मी से परेशान लोगों के लिए शाम की बारिश ने मौसम को खुशनुमा बना दिया। मानसून की विदाई के दौर में हुई इस बारिश से जहां मौसम सुहावना हो गया।

इंदौर में ऑपरेशन मैट्रिक्स-2: एक खाते से 10 राज्यों की 26 शिकायतें जुड़ीं

खाते में लगाता था सेंध, साइबर ठगों का म्यूल अकाउंट संचालक गिरफ्तार

पीड़ितों से ठगी की रकम खाते में ट्रांसफर कर लिया था

इंदौर। दोपहर मेट्रो

क्राइम ब्रांच ने 'ऑपरेशन मैट्रिक्स-2' के तहत अंतर्राज्यीय साइबर गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। साइबर ठगों को 'म्यूल बैंक खाता' उपलब्ध कराने वाले खाताधारक तनिश कुशवाह पिता गोविंद कुशवाह को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के तकनीकी विश्लेषण में आरोपी के बैंक खाते के खिलाफ देश के 10 राज्यों से कुल 26 साइबर अपराध की शिकायतें दर्ज मिली हैं।

एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया (क्राइम ब्रांच) के अनुसार, राज्य साइबर पुलिस मुख्यालय के माध्यम से गृह मंत्रालय की संस्था आईवायसी और नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर प्राप्त डेटा का तकनीकी विश्लेषण किया जा रहा था। इसी दौरान बैंक की तेजाजी नगर शाखा का एक खाता अत्यधिक संदिग्ध मिला। टीम ने शाखा से संपर्क कर खाते का ब्यौरा खंगाला तो यह तनिश कुशवाह के नाम पर संचालित होना सामने आया।

10 राज्यों से जुड़ीं 26 शिकायतें

एनसीआरपी पर खाते की हिस्ट्री की जांच की गई तो इससे देशभर में हुई साइबर ठगी की कई कड़ियां सामने आईं। पुलिस के मुताबिक, इस बैंक खाते के खिलाफ उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, मध्य

प्रदेश, उत्तराखंड, असम, बिहार, गुजरात और हिमाचल प्रदेश सहित 10 राज्यों से कुल 26 साइबर अपराध की शिकायतें दर्ज मिलीं। पीड़ितों से ठगी गई रकम सीधे इसी खाते में ट्रांसफर करवाई गई थी।

ठगी की रकम का हिस्सा परिजनों के खातों में भेजा

पुलिस हिरासत में पूछताछ के दौरान आरोपी तनिश ने बताया कि वह साइबर अपराधियों के लिए म्यूल अकाउंट होल्डर के रूप में काम कर रहा था। खाते में ठगी की रकम आते ही वह उसका एक हिस्सा अपने परिजनों के बैंक खातों में ऑनलाइन ट्रांसफर कर देता था। शेष रकम एटीएम के जरिए कैश निकालकर गिरोह से जुड़े अन्य लोगों को सौंप देता था। इसके बदले उसे तय कमीशन मिलता था। इस काम से वह लंबे समय से जुड़ा था।

बैंक स्टेटमेंट और एटीएम ट्रांजेक्शन की जांच

पुलिस के मुताबिक, प्रथम दृष्टया वित्तीय धोखाधड़ी से जुड़ा अपराध सामने आने पर क्राइम ब्रांच ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया है। अब उसके बैंक स्टेटमेंट, एटीएम से निकाली गई नकदी और परिजनों के खातों में ट्रांसफर हुई रकम की विस्तृत जांच की जा रही है। साथ ही पुलिस अंतर्राज्यीय साइबर नेटवर्क के मुख्य सरगनाओं और इंदौर में सक्रिय अन्य म्यूल बैंक खातों की जानकारी जुटा रही है।

परदेशीपुरा पुलिस ने भी 4 को लिया था हिरासत में

बता दें, 4 सितंबर को ही इंदौर के परदेशीपुरा पुलिस ने ऑपरेशन मैट्रिक्स 2.0 के तहत ऐसे नेटवर्क का खुलासा किया था। इसमें एक बैंक खाता पहले 2000 रुपए में खुलवाया गया, फिर 5000 और अंत में 10 हजार रुपए में ठगों को बेच दिया गया। जांच में यही खाता आंध्रप्रदेश और उत्तरप्रदेश में दर्ज साइबर फ्रॉड की शिकायतों से जुड़ा मिला है। पुलिस ने इस मामले में पांच लोगों को हिरासत में लिया था।

नर्मदापुरम में कार्रवाई

नर्मदा में रेत का अवैध उत्खनन, 2 पनडुब्बी और 3 मोटरें जब्त

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नर्मदा नदी में अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ जिला प्रशासन ने रविवार को बड़ी कार्रवाई की। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश और सिवनी मालवा एसडीएम विजय राय के मार्गदर्शन में राजस्व, पुलिस और खनिज विभाग की संयुक्त टीम ने ग्राम कजली और आसपास के नर्मदा तटीय क्षेत्रों में दबिश दी। कार्रवाई के दौरान अवैध रेत उत्खनन में इस्तेमाल की जा रही 2 पनडुब्बियां और 3 मोटरें जब्त की गईं।
प्रशासन के अनुसार, जब्त की गई एक पनडुब्बी को थाना शिवपुर और दूसरी को थाना सिवनी मालवा की सुपुर्दगी में दिया गया है। मामले में संबंधित आरोपियों के खिलाफ माइनिंग एक्ट सहित अन्य धाराओं के तहत वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

20 पनडुब्बियों की मोटरें पहले भी जब्त

जिला खनिज अधिकारी देवेश मरकाम ने बताया कि अवैध खनन के खिलाफ प्रशासन का अभियान जारी है। पिछले सप्ताह भी संयुक्त टीम ने दो दिन तक विशेष अभियान चलाकर अवैध उत्खनन में इस्तेमाल की जा रही 20 पनडुब्बियों की मोटरें जब्त की थीं। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कहा कि नर्मदा के तटीय क्षेत्रों में किसी भी प्रकार का अवैध उत्खनन और परिवहन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

महिला की आत्महत्या के मामले में आरोपी गिरफ्तार, निकाला जुलूस

धार। दोपहर मेट्रो

जिले के गुणावद गांव में महिला की आत्महत्या के मामले में सादलपुर पुलिस ने रविवार को आरोपी आबिद उस्मान पटेल को गिरफ्तार किया। महिला के परिजनों ने आरोपी पर महिला को अपने प्रभाव में लेने, उस पर दबाव बनाने और शोषण करने जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। परिजनों का कहना था कि इससे परेशान होकर महिला ने जहरीला पदार्थ खाकर जान दे दी। महिला की मौत के बाद गांव में आक्रोश का माहौल बन गया था। आरोपी की गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर समाजजनों एवं ग्रामीणों ने गुणावद रोड पर धरना-प्रदर्शन भी किया था। प्रदर्शन के दौरान आरोपी की जल्द गिरफ्तारी के साथ गांव में जुलूस निकालने की मांग भी उठी थी।

गिरफ्तारी के बाद गांव में लेकर पहुंची पुलिस

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गुणावद निवासी आबिद उस्मान पटेल को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस टीम उसे सुरक्षा के बीच गांव के मुख्य मार्गों से लेकर गई। आरोपी को पुलिस के साथ गांव में देख बड़ी संख्या में ग्रामीण सड़क किनारे जमा हो गए। इस दौरान मौके पर पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस ने आरोपी का पूरे गांव में जुलूस निकाला। पुलिस अब आरोपी की भूमिका की जांच कर रही है।

जबलपुर में विकसित हो रहीं अवैध कॉलोनियां, निगम कसेगा शिकंजा

जबलपुर। शहर और ग्राम सीमा में तेजी से विकसित हो रही अवैध कालोनियों के खिलाफ नगर निगम के बाद अब जिला प्रशासन भी कार्रवाई की तैयारी में हैं। इस बार जिला प्रशासन की कार्रवाई केवल कालोनाइजरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज करने या नोटिस तक सीमित नहीं रखने की तैयारी है। बल्कि कालोनाइजरों के खाली प्लॉट चिह्नित कर उन्हें नियमानुसार अधिग्रहित कर बेचेगा। इससे मिलने वाली राशि से संबंधित अवैध कालोनियों में ही सड़क, नाली, बिजली सहित जरूरी मूलभूत सुविधाओं के विकास के कार्य कराएगा।

गायत्री मंत्र की गूंज के बीच विश्व कल्याण का संकल्प

गंजबसौदा। दोपहर मेट्रो

गायत्री परिवार द्वारा अखंड ज्योति के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में देशभर में आयोजित किए जा रहे महायज्ञों की श्रृंखला के तहत जवाहर रोड स्थित संदीप तिवारी के निवास पर पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार और गायत्री मंत्रों की गूंज के बीच श्रद्धालुओं ने यज्ञकुंड में लोकमंगल, विश्व कल्याण तथा परिवार की सुख-शांति की कामना से आहुतियां अर्पित कीं। इस अवसर पर ब्रह्मलीन स्वामी श्री सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज की जयंती भी मनाई गई। गायत्री परिवार द्वारा 2026 को माता भगवती देवी शर्मा की जन्मशताब्दी तथा अखंड ज्योति के शताब्दी वर्ष के रूप में विशेष रूप से मनाया जा रहा है। कार्यक्रम में मूडरीधाम के महंत परशुराम दास जी महाराज विशेष रूप से सम्मिलित हुए।

'जनप्रतिनिधियों से समन्वय कर सेवा संकल्प अभियान को सफल बनाएं'

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

सेवा संकल्प अभियान की गतिविधियों को लेकर रविवार को सर्किट हाउस में प्रभारी मंत्री एवं लोक निर्माण विभाग मंत्री राकेश सिंह ने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की बैठक ली। उन्होंने अभियान के तहत अब तक हुई गतिविधियों और आगामी कार्यक्रमों की विभागवार समीक्षा की। प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान के हर कार्यक्रम की सूचना सांसद, विधायक -जनप्रतिनिधियों को समय पर दी जाए, ताकि उनकी सहभागिता हो। प्रभारी मंत्री सिंह ने कहा, अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों-जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। उन्होंने सभी नोडल अफसरों को निर्देश दिए कि ब्लॉक लेवल पर यूनिट नोडल अफसरों तक कार्यक्रमों की

जानकारी, कार्ययोजना और निर्देश समय पर पहुंचाए जाएं। अधिकारियों ने बताया कि 21 सितंबर को स्कूल-कॉलेज स्तर पर चित्रकला स्पर्धा होगी। बैठक में विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, सांसद दर्शन सिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, विधायक प्रेमशंकर वर्मा, ठाकुरदास नागवंशी, विजयपाल सिंह, जनपद अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे, नपा अध्यक्ष नीतू यादव, जिला अध्यक्ष प्रीति पवन शुक्ला, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, एसपी साई कृष्ण एस. थोटा मौजूद थे।

जंगल से खेतों तक तेंदुए का खौफ..बकरी चराने गए बच्चे पर हमला, खेतों में भी जाने से डर रहे ग्रामीण

धार। दोपहर मेट्रो

जिले के अलग-अलग वन क्षेत्रों में तेंदुए की सक्रियता ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। गंधवानी के बख्तला जमरापुरा में बकरियां चराने गए 10 वर्षीय बालक पर मादा तेंदुए ने हमला कर दिया, जबकि गुजरी बायपास से लगे खेत में रात और सुबह तेंदुए की दहाड़ सुनाई देने से दहशत फैल गई। दोनों घटनाओं के बाद वन विभाग ने निगरानी बढ़ा दी है और ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

बख्तला में शनिवार को 10 वर्षीय अखिल पिता फूलसिंह बकरियां चराने गया था। खेत और जंगल की सीमा के पास घर लौटते समय मादा तेंदुए ने हमला कर दिया। बालक की पीठ पर पंजे मारे और दांत गड़ा दिए, जिससे तीन जगह गहरे घाव आए। बालक की चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंचे और शोर मचाया। तब तेंदुआ भागा।

तेंदुए के हमले से बच्चे की पीठ पर गहरे घाव बन गए। इसके बाद वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की गई है कि जंगल या आसपास के क्षेत्र में तेंदुआ या शावक दिखाई देने पर उनके पास न जाएं।

20 फीट दूर मिले तेंदुए के तीन शावक, विभाग ने किया रेस्क्यू

घायल अखिल को तत्काल गंधवानी के शासकीय अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे धार रेफर किया गया। यहां निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। अब उसकी हालत में सुधार है।

घटना के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची तो हमले वाली जगह से करीब 15-20 फीट की दूरी पर तेंदुए के तीन शावक मिले। वन विभाग ने तीनों शावकों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। अधिकारियों के अनुसार शावकों की मौजूदगी के कारण मादा तेंदुआ आक्रामक हुई हो सकती है। बाद में मादा तेंदुआ शावकों को लेकर दूसरे सुरक्षित स्थान पर चली गई। टांडा रेंजर होशियार सिंह कन्नौज के अनुसार क्षेत्र में टीम गठित कर संभावित मूवमेंट वाले स्थानों पर निगरानी की जा रही है।

मेट्रो एंकर | 440 हेक्टेयर क्षेत्र में बनाया विशाल सॉफ्ट रिलीज बाड़ा, सुरक्षा के लिए सोलर इलेक्ट्रिक फेंसिंग और सीसीटीवी कैमरे लगाए

भोपाल के वन विहार जितना बड़ा वीडीटीआर तैयार, बुंदेलखंड की धरती पर भी जल्दी ही दिखेगी चीते की रफ्तार, बढ़ेगा पर्यटन

विशाल रजक. तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

अब बुंदेलखंड की धरती भी चीतों से जल्द आबाद होगी। दमोह सागर और नरसिंहपुर के बीच नौरादेही के जंगल वाले वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व (वीडीटीआर) में चीतों के बसाने की सभी मैदानी और प्रशासनिक तैयारियां पूरी हो गई हैं।

यहां के परिवेश में चीतों को ढलने और उनकी निगरानी के लिए टाइगर रिजर्व की मोहली रेंज में 440 हेक्टेयर के क्षेत्र में विशाल सॉफ्ट रिलीज बाड़ा (बोमा) तैयार किया गया है। यह बोमा लगभग इतना बड़ा

वीडीटीआर प्राकृतिक संपदा से भरपूर, यहां चीतों के लिए पर्याप्त व्यवस्था।

है, जितना भोपाल का वन विहार नेशनल पार्क का क्षेत्रफल (445 हेक्टेयर) है। सुरक्षा के दृष्टि से पूरे बोमा क्षेत्र को सोलर इलेक्ट्रिक फेंसिंग, क्लोज-सर्किट कैमरों और गश्ती वॉच टावरों से कवर किया गया है। अब यहां सिर्फ कूनो नेशनल पार्क से चीतों के नए कुनबे को शिफ्ट (ट्रांसलोकेट) किए जाने का इंतजार है। अफसरों का कहना है कि जल्द ही वीडीटीआर में चीतों को भेजा जाएगा। इससे यहां पर्यटन को रफ्तार मिलेगी।

प्रदेश में सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व है

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व प्रदेश का सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व है जो दमोह सागर और नरसिंहपुर जिलों में 2,339 वर्ग किमी में फैला है। जंगलों के बीच विशाल खुले घास के मैदान इसे अफ्रीकी सवाना जैसी भौगोलिकता देते हैं, जो चीतों की रफ्तार और शिकार के अनुकूल है यहां चीतल, सांभर, नीलगाय और ब्लैक-बक का पर्याप्त बेस है। चीते आने पर यह देश का पहला संरक्षित क्षेत्र होगा जहां चीते, बाघ, तेंदुए और भारतीय भेड़िये भी होंगे। नौरादेही को चीतों के लिए उपयुक्त बनाने के लिए सुरक्षा और प्रबंधन से जुड़ी तैयारियां की जा रही हैं यह चीता संरक्षण का तीसरा बड़ा केंद्र बन सकता है।

रिजर्व में प्रकृति ने ऐसी व्यवस्था की है कि एक ही भू-भाग में कई वन्य प्राणी बिना लड़े रह सकते हैं। चीता दौड़ कर शिकार करता है। वह छोटे जानवर (जिनका वजन 30 से 40 किलो) उनका शिकार करता है। उसके भोजन की पर्याप्त व्यवस्था है।

जबलपुर में हनी ट्रैप का मामला, रुपए लेकर बुलाया था कदम ट्री होटल

रियल एस्टेट कारोबारी को किया ब्लैकमेल, महिला होटल से गिरफ्तार

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

शहर में रविवार को हनी ट्रैप का मामला सामने आया। पहले तो एक महिला ने रियल स्टेट कारोबारी से दोस्ती की और फिर उसे ब्लैकमेल कर झूठे मामले में फंसाने की धमकी दी। इसके बाद मामला दबाने के एवज में 10 लाख रुपए की मांग की। मामले की शिकायत रियल एस्टेट कारोबारी ने पुलिस से की। जिसके बाद पुलिस ने रविवार को होटल में छापामारी कर महिला को रुपए लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। मामले में जांच की जा रही है।

कोतवाली पुलिस ने बताया कि मूलतः बिरसिंहपुर पाली में रहने वाली पूजा रैदास रोहणी (32) आर्केस्ट्रा में डांसर का काम करती थी। उसकी पहचान अक्टूबर 2025 में रियल एस्टेट कारोबारी ग्वारीघाट निवासी सार्थक सिंह गौतम से हुई। दोनों में बातचीत होने लगी और नजदीकियां बढ़ गई।

दो माह से कर रही थी ब्लैकमेल

पिछले लगभग दो माह से पूजा ने सार्थक को ब्लैकमेल करना शुरू किया। सार्थक पर 10 लाख रुपए देने का दबाव बनाया। मांग पूरी न होने पर उसे झूठे मामले में फसाने की धमकी दी।

पुलिस कर रही जांच

सीएसपी अखिलेश गौर ने इस मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपी महिला पूजा रैदास के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 308-2, 308-6 और 351-2 के तहत गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने महिला की गिरफ्तारी के बाद उसके परिजनों को इस कार्रवाई की सूचना दे दी है। इस हाई-प्रोफाइल हनीट्रैप मामले में पुलिस जांच कर रही है कि इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

सात लाख रुपए में तय हुआ था सौदा

सात लाख रुपए में सौदा तय हुआ। सौदे की ढाई लाख रुपए की पहली किस्त लेकर पूजा ने सार्थक को रविवार को दमोह नाका स्थित कदम ट्री होटल बुलाया। होटल पहुंचने के पूर्व सार्थक ने उखरी पुलिस से पूरे मामले की शिकायत की।

होटल के कमरे से किया गिरफ्तार

मामले में पुलिस ने तत्काल तस्दीख की और सार्थक के साथ होटल पहुंच गई। सार्थक ने जैसे ही रकम पूजा को दी तो पुलिस ने उसे रंगे हाथ दबोच लिया। इसके बाद उसे कोतवाली थाने ले जाया गया। मामले में पुलिस ने अवैध वसूली और ब्लैकमेलिंग समेत धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

खंगाला जा रहा पूरा रिकॉर्ड

पूजा को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस अब उसकी कुंडली खंगाल रही है। पुलिस ने उसके मोबाइल फोन की भी जांच की। पुलिस कौन देश है कि जिस तरह पूजा ने सार्थक को ब्लैकमेल किया वैसे ही कई और लोगों को भी निशाना बनाया होगा।

डांस प्रोग्राम में हुई थी जान-पहचान

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार की गई महिला पूजा रैदास ग्वारीघाट में रहती है। रियल एस्टेट कारोबारी सार्थक सिंह (34) से उसकी मुलाकात अक्टूबर 2025 में सोशल मीडिया के जरिए हुई थी। इसके बाद धीरे-धीरे दोनों में बातचीत होने लगी। इसके बाद में एक डांस प्रोग्राम में हुई थी। धीरे-धीरे दोनों के बीच मोबाइल नंबरों का आदान-प्रदान हुआ और बातचीत का सिलसिला शुरू हो गया। कारोबारी के मुताबिक, पूजा अपनी पारिवारिक तंगी का हवाला देकर पहले उससे आर्थिक मदद मांगी। कारोबारी ने मदद की, तब उसने ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया।

सैलवाड़ा-रिचकुड़ी मार्ग पर दिखे तेंदुआ के पगमार्क, ग्रामीणों में फैली दहशत

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

उपवन मंडल के अंतर्गत वन परिक्षेत्र तेजगढ़ अंतर्गत सैलवाड़ा से रिचकुड़ी मार्ग पर तेंदुआ दिखाई देने की सूचना से क्षेत्र के ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। मार्ग से गुजर रहे ग्रामीणों ने एक बड़े वन्यजीव को देखा, जिसके बाद इसकी सूचना वन विभाग को दी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए तेजगढ़ वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और क्षेत्र में जांच-पड़ताल शुरू की। वन विभाग की टीम ने आसपास के क्षेत्र में भ्रमण कर वन्यजीव की गतिविधियों के संबंध में जानकारी जुटाई। जांच के दौरान तेंदुए के पगमार्क भी मिले, जिसके आधार पर वन विभाग ने क्षेत्र में तेंदुए की मौजूदगी की पुष्टि की है। इसके बाद विभाग द्वारा सैलवाड़ा सहित रिचकुड़ी और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को सतर्क रहने की समझाइश दी जा रही है। वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे अनावश्यक रूप से जंगल की ओर न जाएं और विशेषकर अकेले जंगल क्षेत्र में जाने से बचें। शाम और रात के समय खेतों अथवा जंगल के आसपास जाते समय विशेष सावधानी बरतें। यदि किसी व्यक्ति को तेंदुआ या अन्य वन्यजीव दिखाई देता है तो उसके पास जाने अथवा उसे घेरने का प्रयास न करें, बल्कि तत्काल वन विभाग को सूचना दें। तेंदुए की मौजूदगी की पुष्टि के बाद वन विभाग की निगरानी बढ़ा दी गई है। ग्रामीणों से अफवाहों पर ध्यान न देने और वन विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है

वन विभाग ने ग्रामीणों को चेताया, सावधानी बरतें

इस संबंध में तेजगढ़ वन परिक्षेत्र अधिकारी अखिलेश चौरसिया ने बताया कि सैलवाड़ा-रिचकुड़ी मार्ग के आसपास तेंदुए के पगमार्क मिले हैं। इससे क्षेत्र में तेंदुए की मौजूदगी की पुष्टि हुई है। वन विभाग द्वारा लगातार क्षेत्र की निगरानी की जा रही है तथा ग्रामीणों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है

न्यूज विंडो

जबलपुर में 23 सितंबर को 'नो यूपीआई डे' मनाकर प्रधानमंत्री के नाम सौंपेंगे ज्ञापन

जबलपुर। यूपीआई चार्ज के रूप में दो हजार रुपए से अधिक के भुगतान पर मर्चेंट से होने वाली 0.4 फीसदी के टैक्स को लेकर संस्कारधानी के कारोबारियों में खासा आक्रोश है। अक्टूबर से भुगतान पर प्रस्तावित शुल्क व्यवस्था के लागू होने के विरोध में नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच सहित विभिन्न जनसंगठनों ने घंटाघर के पास प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार की शुल्क व्यवस्था पर आपत्ति जताते हुए नारेबाजी की और प्रधानमंत्री के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा।

संगठनों ने घोषणा की कि 23 सितंबर को 'नो यूपीआई डे' मनाकर शुल्क व्यवस्था के विरोध में अभियान चलाया जाएगा। नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच के डॉ. पी. जी. नाजपांडे ने बताया कि दो हजार रुपये से अधिक के कुछ यूपीआई व्यापारी लेन-देन पर एमडीआर लागू होने से भुगतान व्यवस्था पर असर पड़ सकता है। कोई भी कारोबारी रोज 2000 रुपए का ही कारोबार नहीं करता है। ऐसे में उसके मुनाफे पर असर पड़ेगा। इस व्यवस्था को तत्काल सरकार को वापस लेना चाहिए।

नवरात्र में धीरेंद्र शास्त्री निकालेंगे रथ यात्रा, तय करेंगे 500 किमी का सफर

छतरपुर। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने नवरात्रि में रथ यात्रा निकालने की घोषणा की है। रविवार रात बागेश्वर धाम में हुए ऑनलाइन हनुमान चालीसा हवन कार्यक्रम के दौरान उन्होंने यात्रा की जानकारी दी। बागेश्वर धाम की आधिकारिक वेबसाइट पर रथ यात्रा का कार्यक्रम 11 से 19 अक्टूबर 2026 तक दिया गया है। रिपोर्टों के अनुसार यात्रा 500 किलोमीटर की होगी और पन्ना, छतरपुर, सागर, दमोह और टीकमगढ़ जिलों से होकर गुजरेगी। मार्ग में अजयगढ़, पन्ना, अमानगंज, पवई, सागर, दमोह, हटा और टीकमगढ़ शामिल बताए गए हैं।

यात्रा के रात्रि पड़ाव वाले स्थानों पर सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ, हवन और अन्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यात्रा को धीरेंद्र शास्त्री के हिंदू राष्ट्र के संकल्प से जोड़ा गया है। रविवार रात बागेश्वर धाम में ऑनलाइन हनुमान चालीसा हवन और पितृ शांति कार्यक्रम भी हुआ, जिसमें देश-विदेश से श्रद्धालु सोशल मीडिया के माध्यम से जुड़े। धाम में मौजूद श्रद्धालुओं ने हनुमान चालीसा की चौपाइयों के साथ यज्ञ में आहुतियां दीं।।

सुंदरकांड के लिए घर से निकले युवक की शिप्रा में डूबने से मौत

देवास। दोपहर मेट्रो

देवास जिले में सोमवार दोपहर एक 25 वर्षीय युवक शिवम सेंगर की शिप्रा नदी में नहाने के दौरान डूबने से मौत हो गई। शिवम पिता सुरेंद्र सेंगर इंदौर जिले के मांगलिया का रहने वाला था। वह अपने घर से बीते दिन यह कहकर निकला था कि वह सुंदरकांड में जा रहा है। शाम करीब 5 बजे वह शिप्रा नदी में नहाने गया था जहां, गहरे पानी में उतारते ही वह डूबने लाहा और शाम 5 बजे उसका निधन हो गया। शिवम के साथ उसके चार दोस्त भी थे। पिता को शाम करीब 7 बजे हादसे की सूचना दी गई। शिवम के दोस्त सचिन परमार निवासी इंदौर ने बताया कि उसे शिप्रा नहाने के लिए शिवम लेने गया था।

बिक्री न होने से अनूपपुर के किसानों की मेहनत पर फिर रहा पानी

4 हजार हेक्टेयर में खड़ी लेमनग्रास खरीदार नहीं, किसानों के सामने संकट

राजेंद्र ग्राम (अनूपपुर)। दोपहर मेट्रो

अनूपपुर जिले के राजेंद्रग्राम क्षेत्र में किसानों को लेमनग्रास की खेती के लिए प्रोत्साहित किए जाने के बाद अब तैयार फसल खेतों में खड़ी है, लेकिन किसानों के अनुसार उसे खरीदने के लिए खरीदार उपलब्ध नहीं हैं। क्षेत्र में करीब 4 हजार हेक्टेयर में लेमनग्रास की फसल खड़ी है। ऐसे में किसानों के सामने यह सवाल खड़ा हो गया है कि यदि तैयार फसल की खरीद नहीं हुई तो उनकी मेहनत और निवेश का क्या होगा?

किसानों का आरोप है कि लेमनग्रास की खेती को बढ़ावा देने के दौरान इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, सीमैप,

ओरी ऑयल्स, जिला पंचायत, कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग और आत्मा परियोजना जैसी संस्थाओं एवं विभागों की भूमिका रही। किसानों का कहना है कि यदि उन्हें खेती के लिए प्रेरित और प्रशिक्षित किया गया था, तो फसल तैयार होने के बाद उसकी खरीद, प्रसंस्करण और बाजार की व्यवस्था सुनिश्चित करना भी संबंधित संस्थाओं की जिम्मेदारी होनी चाहिए थी।

पहले भी फसल खरीद का उठ चुका है सवाल

राजेंद्रग्राम क्षेत्र में पूर्व में भी कई हेक्टेयर में उत्पादित लेमनग्रास की फसल कंपनी द्वारा नहीं खरीदे जाने की शिकायतें सामने आई थीं। इसके बावजूद बड़े पैमाने पर किसानों को इसकी खेती के लिए प्रोत्साहित किया गया। अब करीब 4 हजार हेक्टेयर में फसल खड़ी होने के बीच किसानों का सवाल है कि जब पहले से बाजार और खरीद की समस्या सामने आ चुकी थी, तो बड़े पैमाने पर नई खेती क्यों कराई गई? खेती को बढ़ावा देने के नाम पर यदि उन्हें ऐसी फसल लगाने के लिए प्रेरित किया गया जिसकी गारंटी खरीद या स्थापित बाजार व्यवस्था नहीं थी, तो पूरे मामले की समीक्षा आवश्यक है।

अटल सागर मड़ीखेड़ा बांध के 4 गेट खोले गए, सिंध नदी का तेजी से बढ़ा जलस्तर

प्रशासन ने जारी किया अलर्ट

भितरवार। दोपहर मेट्रो

अटल सागर मड़ीखेड़ा बांध में लगातार हो रही जल आवक और बढ़ते जलस्तर को नियंत्रित करने के लिए रविवार दोपहर चार जलद्वार खोल दिए गए। बांध के जलद्वारों से पानी छोड़े जाने के बाद नरवर स्थित मोहनी पिकअप वियर के गेट भी खोलकर सिंध नदी में पानी की निकासी की गई।

इससे धूमेश्वर महादेव धाम क्षेत्र में सिंध नदी का बहाव एक बार फिर तेज हो गया है और नदी उफान पर आ गई है। भितरवार क्षेत्र के नदी किनारे बसे गांवों में स्थानीय प्रशासन ने अलर्ट जारी करते हुए लोगों को सतर्क रहने की हिदायत दी है। बढ़ते जलस्तर को स्थिर रखने के लिए दोपहर तीन बजे गेट क्रमांक पांच और छह को एक-एक मीटर तथा गेट क्रमांक चार और सात को आधा-आधा मीटर तक खोल दिया गया है। बांध में पानी की आवक पर भी नजर रखी जा रही है।

चारों गेटों की कुल ओपनिंग 3 मीटर

चारों गेटों की कुल ओपनिंग तीन मीटर रही है। इसके साथ ही इनसे 411.358 क्यूमेक्स पानी की निकासी प्रति सेकंड हो रही है। इसके अलावा पावर हाउस से 135.42 क्यूमेक्स पानी छोड़ा जा रहा था। इस तरह मड़ीखेड़ा बांध से कुल आउटफ्लो 546.778 क्यूमेक्स यानी कि कुल 19307 क्यूसेक पानी डिस्चार्ज दर्ज किया गया है। इसे देखते हुए निचले क्षेत्रों में बाढ़ की आशंका में अलर्ट जारी किया गया है।

निराकरण करना और भी जटिल

हाईकोर्ट में 35 हजार लंबित अवमानना केसों ने बढ़ाई चुनौती

जबलपुर दोपहर मेट्रो

हाई कोर्ट में एक मुकदमे का आदेश होने के बाद भी विवाद समाप्त नहीं हो रहा है। आदेश का पालन नहीं होने पर वही पक्षकार दोबारा हाई कोर्ट पहुंच रहा है और अवमानना याचिका के रूप में उसी विवाद की दूसरी न्यायिक पारी शुरू हो रही है।

अवमानना प्रकरणों की 35 हजार से अधिक संख्या ने न्यायालय के सामने लंबित मामलों के निराकरण की चुनौती को और जटिल बना दिया है।

विवाद और पक्षकार दोनों दोबारा पहुंच रहे कोर्ट

मूल याचिका में न्यायालय जहां अधिकार और विवाद का फैसला करता है, वहीं आदेश के बाद अवमानना याचिका में यह देखना पड़ता है कि संबंधित विभाग, अधिकारी या संस्था ने न्यायालय के निर्देश का पालन किया या नहीं। इस प्रक्रिया में नोटिस, जवाब, अनुपालन रिपोर्ट, व्यक्तिगत उपस्थिति और कई बार समय-सीमा तय करने जैसी न्यायिक कवायद करनी पड़ती है।

हाई कोर्ट में पहले से ही लंबित मामलों का बड़ा बोझ है। मार्च 2025 के अंत में न्यायालय में लंबित प्रकरणों की संख्या 4.71 लाख से अधिक थी। ऐसे में आदेशों के समय पर पालन नहीं होने से उत्पन्न अवमानना प्रकरण न्यायालय के अतिरिक्त समय और संसाधनों की मांग करते हैं।

इसका असर सीधे तौर पर मूल मामलों के निराकरण की गति पर पड़ने की स्थिति बनती है। हाल के मामलों में भी न्यायालय को अधिकारियों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाना पड़ा है।

मेट्रो एंकर — होलकर स्टेडियम में 11 अक्टूबर को भारत-वेस्टइंडीज के बीच क्रिकेट मैच

टी-20 मैच के लिए इंदौर तैयार, मैदान पर दिखेगा चेक्स पैटर्न

इंदौर। दोपहर मेट्रो

इंदौर के क्रिकेट प्रेमियों के लिए 11 अक्टूबर का दिन बेहद रोमांचक होने वाला है, क्योंकि इस दिन स्थानीय होलकर स्टेडियम में भारत और वेस्टइंडीज के बीच टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला जाएगा। मैच को लेकर तैयारियां अब अपने अंतिम चरण में हैं।

दर्शकों और टीवी स्क्रीन पर मैच देखने वालों को एक नया अनुभव देने के लिए इस बार मैदान की आउटफील्ड पर घास को एक खास 'चेक्स' (चौकड़ी) पैटर्न में काटा जा रहा है। इस रोमांचक मुकाबले के लिए दोनों देशों की टीमें 10 अक्टूबर को चार्टर्ड प्लेन के जरिए इंदौर पहुंचेंगी।

किसी भी क्रिकेट मैच का सबसे अहम हिस्सा उसकी पिच होती है, जिसे लेकर मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एमपीसीए) कोई

कसर नहीं छोड़ना चाहता। रविवार के दिन बीसीसीआई के पिच क्यूरेटर तापोष चटर्जी ने स्टेडियम का दौरा किया और मैदान तथा पिच की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान एमपीसीए के पिच क्यूरेटर मनोहर जामले ने उन्हें बताया कि बारिश के बावजूद पिच का शुरुआती बेस पहले ही तैयार कर लिया गया है। फिलहाल ग्राउंड स्टाफ का पूरा ध्यान काली मिट्टी वाली इस पिच की घास को और अधिक स्वस्थ बनाने पर है। तैयारी को पुख्ता करने के लिए 28 सितंबर से पिच पर रोलिंग का काम शुरू कर दिया जाएगा।

मैदान में एलईडी बोर्ड लगने के बाद फाइनल होगी बाउंड्री

मैदान को आकर्षक बनाने के साथ-साथ तकनीकी काम भी तेजी से चल रहा है। आउटफील्ड में चेक्स डिजाइन उभारने के अलावा जंगली घास को हटाने और पानी डालकर घास को सेट करने का काम लगातार जारी है। इसके साथ ही बाउंड्री लाइन पर डिजिटल एलईडी बोर्ड लगाए जाने हैं। इन स्क्रीन्स के लगने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही बाउंड्री को अंतिम रूप दिया जाएगा।

25 सितंबर से बुक कर सकेंगे टिकट

स्टेडियम में बैठकर मैच का लुत्फ उठाने वाले इस मुकाबले के लिए ऑनलाइन टिकट बुकिंग 25 सितंबर से कर सकेंगे।

इंदौर: भाजपा नेता के बेटे ने सिरदर्द को समझा गैस, नस हुई ब्लॉक, मौत

इंदौर। भाजपा नेता नंदी मीणा के घर उस समय मातम छा गया जब उनके 25 वर्षीय बेटे नमन का ब्रेन हेमरेज होने से निधन हो गया। नमन सोशल मीडिया का चर्चित चेहरा भी था जिसके इंस्टाग्राम पर लाखों फॉलोअर्स थे। पांच दिन पहले अचानक सिर में दर्द हुआ तो पिता अस्पताल लेकर पहुंचे। जांच कराई तो सिर की एक नस ब्लॉक होने की बात सामने आई, इलाज चल रहा था और इस बीच अटैक आ गया।

कम उम्र के युवाओं को हार्ट अटैक और ब्रेन हेमरेज होने का मामले लगातार सामने आ रहे हैं। हाल ही में इंदौर में ऐसी घटना हुई जिसने सबको सकते में डालकर और एक सबक दे दिया। सिर दर्द जैसी तकलीफ को भी हलके में नहीं लिया जाना चाहिए चाहे उम्र कम क्यों न हो। दो दिन पहले भाजपा नेता नंदी मीणा के बेटे नमन का निधन हो गया जो कि सोशल मीडिया का इंदौर से बड़ा चेहरा था। बहुत कम लोग है जिनके फॉलोअर्स की संख्या 25 लाख है।

नमन का मंगलवार को सिर दर्द हुआ। उसने सामान्य दर्द समझा और भूखे होने की वजह से एसिडिटी-गैस को दर्द का कारण मानकर दवा ले ली। इसके बावजूद जब दर्द कम नहीं हुआ तो पिता उसे स्पेशलिस्ट के पास लेकर पहुंचे। जांच के दौरान ये सामने आया कि सिर की एक नस में ब्लॉकेज है। उस पर डॉक्टरों ने ऑपरेशन कर दिया गया जिसमें दस बोतल ब्लड चढ़ाया गया।

एशियन गेम्स में भारत का धाकड़ आगाज: पाकिस्तान को टेबल टेनिस में शिकस्त

सुतीर्था मुखर्जी की शानदार शुरुआत, रुद्रांश-हिमांशु ने एयर राइफल फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली, एजेंसी

नागोया में चल रहे एशियन गेम्स के दूसरे दिन भारतीय खिलाड़ियों ने जीत के साथ अभियान की शुरुआत की। टेबल टेनिस और सेपकटकरा में भारतीय दल ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया। महिला टेबल टेनिस के ग्रुप मुकाबले में भारत की सुतीर्था मुखर्जी ने पाकिस्तान की उभरती खिलाड़ी अलीना खान के खिलाफ शानदार शुरुआत की। सुतीर्था ने पहले सेट में 11-3 से जीत दर्ज कर मुकाबले में अपनी पकड़ मजबूत की। भारतीय खिलाड़ी ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और अलीना खान को दबाव में रखा। मुकाबले के बाद दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे से हाथ मिलाया। इस दौरान खेल भावना और आपसी सम्मान का संदेश देखने को मिला।

भारत ने सेपकटकरा में भी जीत के साथ अपना अभियान शुरू किया। भारतीय पहली टीम ने जापान के खिलाफ सीधे सेटों में जीत दर्ज की। दूसरे सेट में जापानी टीम ने भारतीय खिलाड़ियों पर दबाव बनाने का प्रयास किया, लेकिन भारत ने संयम और बेहतर तालमेल के साथ मुकाबला अपने पक्ष में कर लिया। भारतीय खिलाड़ियों ने महत्वपूर्ण मौकों पर धैर्य बनाए रखा और मैच-1 अपने नाम किया। इस जीत से टीम के आगामी मुकाबलों के लिए आत्मविश्वास बढ़ने की उम्मीद है।

रुद्रांश और हिमांशु एयर राइफल फाइनल में

भारतीय निशानेबाजी दल के लिए भी दूसरे दिन अच्छी खबर सामने आई। रुद्रांश पाटिल और हिमांशु ढिल्लों ने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा के फाइनल में जगह बना ली है। क्वालिफाइंग राउंड में रुद्रांशा पाटिल ने 631.8 अंक हासिल कर दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं, हिमांशु ढिल्लों ने 630 अंक के साथ सातवां स्थान हासिल किया। दोनों निशानेबाज अब सुबह 9 बजे फाइनल में उतरेंगे। भारतीय दल को इस स्पर्धा से पदक की उम्मीद रहेगी। क्वालिफिकेशन में दोनों खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने उन्हें फाइनल की दौड़ में बनाए रखा है। अब निर्णायक मुकाबले में उनका प्रदर्शन महत्वपूर्ण होगा।

पुरुष टेबल टेनिस टीम की पाकिस्तान से भिड़ंत

एशियन गेम्स के दूसरे दिन भारत और पाकिस्तान के बीच एक और मुकाबला निर्धारित है। पुरुष टेबल टेनिस टीम दोपहर 3:30 बजे पाकिस्तान के खिलाफ मैदान में उतरेगी। इस मुकाबले पर दोनों देशों के खेल प्रशंसकों की नजर रहेगी। दिनभर कुल 18 स्वर्ण पदक स्पर्धाओं में फैसला होना है। तैराकी में सात स्वर्ण पदकों के लिए मुकाबले आयोजित होंगे।

इंग्लैंड-भारत के बीच महज 0.04 रेटिंग अंक का फासला

टी20 रैंकिंग में इंग्लैंड का 'सिंहासन' पर कब्जा, भारत मामूली अंतर से दूसरे पायदान पर, श्रीलंका का सूपड़ा साफ

नई दिल्ली, एजेंसी

श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड ने न केवल मेजबान टीम का सूपड़ा साफ किया, बल्कि आईसीसी पुरुष टी20 टीम रैंकिंग में भी भारत को पीछे छोड़कर शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। तीसरे मुकाबले में इंग्लैंड ने श्रीलंका के 124 रन के लक्ष्य को 10 ओवर पूरे होने से पहले ही हासिल कर लिया। इस शानदार जीत के बाद इंग्लैंड और भारत दोनों के खाते में 269 रेटिंग अंक हैं, लेकिन दशमलव के स्तर पर इंग्लैंड ने बाजी मार ली है। इंग्लैंड की वास्तविक रेटिंग 268.80 और भारत की 268.76 है। तीसरे टी20 मुकाबले में श्रीलंका की बल्लेबाजी इंग्लैंड के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी। पूरी टीम 124 रन पर सिमट गई। पथुम निसांका ने 36 और कामिंदु मेंडिस ने 35 रन बनाए, लेकिन बाकी बल्लेबाज बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। इंग्लैंड की ओर से सन्नी बेकर, जोफ्रा आर्चर और विल जैक्स ने दो-दो विकेट लेकर श्रीलंका की पारी पर ब्रेक लगा दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम ने आक्रामक शुरुआत की। जोस बटलर और हैरी ब्रूक ने दूसरे विकेट के लिए महज 39 गेंदों में 85 रन की साझेदारी की। दोनों की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के सामने श्रीलंकाई गेंदबाज बेअसर नजर आए और इंग्लैंड ने 10 ओवर से पहले ही मुकाबला अपने नाम कर लिया।

ऑस्ट्रेलिया तीसरे पायदान पर

नई आईसीसी पुरुष टी20 टीम रैंकिंग में भारत दूसरे स्थान पर है। भारत ने 64 मुकाबलों में 17,201 अंक हासिल किए हैं और उसकी रेटिंग 269 है। इंग्लैंड 41 मैचों में 11,021 अंक के साथ शीर्ष पर है। दोनों टीमों की रेटिंग में अंतर बेहद मामूली है, लेकिन दशमलव के आधार पर इंग्लैंड आगे है। ऑस्ट्रेलिया 260 रेटिंग अंक के साथ तीसरे स्थान पर बना हुआ है। न्यूजीलैंड 247 अंक के साथ चौथे और दक्षिण अफ्रीका 243 अंक के साथ पांचवें स्थान पर है। पाकिस्तान 240 अंक लेकर छठे, वेस्टइंडीज 234 के साथ सातवें और बांग्लादेश 224 अंक के साथ आठवें स्थान पर है।

श्रीलंका की हार का रैंकिंग पर असर

सीरीज शुरू होने से पहले श्रीलंका 221 रेटिंग अंक के साथ नौवें स्थान पर था। इंग्लैंड के खिलाफ 0-3 की हार के बाद उसके रेटिंग अंक घटकर 220 हो गए हैं। हालांकि, टीम नौवें स्थान पर कायम है। अफगानिस्तान भी 220 रेटिंग अंक के साथ दसवें स्थान पर है। इंग्लैंड की इस सीरीज जीत ने टी20 रैंकिंग में शीर्ष स्थान की प्रतिस्पर्धा को और रोचक बना दिया है। भारत और इंग्लैंड के बीच अंतर बेहद कम है, ऐसे में आगामी मुकाबलों के नतीजे रैंकिंग में बदलाव ला सकते हैं।

एशियन गेम्स में भारत को झटका

सॉना में बेहोश हुए एमएमए खिलाड़ी वरुण सान्याल मेडिकल अनफिट घोषित होने से टूटा पदक का सपना

नई दिल्ली, एजेंसी

एशियन गेम्स 2026 में भारतीय एमएमए खिलाड़ी वरुण सान्याल का अभियान बेहद दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियों में समाप्त हो गया। पुरुषों की पारंपरिक 77 किलोग्राम श्रेणी के क्वार्टर फाइनल से पहले वजन कम करने की कोशिश के दौरान सान्याल सॉना में बेहोश हो गए। इसके बाद चिकित्सकों ने उन्हें प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए मेडिकल तौर पर अनफिट घोषित कर दिया। इस घटनाक्रम ने मुकाबले से पहले खिलाड़ियों की स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों को भी सामने ला दिया है।

की रिपोर्ट के अनुसार, वरुण ने वजन घटाने की प्रक्रिया के दौरान भोजन और पानी का सेवन काफी कम कर दिया था। सॉना में पहुंचने के बाद उन्हें चक्कर आया और वह बेहोश हो गए। मेडिकल जांच में

शरीर में पानी की कमी और मांसपेशियों में ऐंठन की बात सामने आई। इसके बाद उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें मुकाबले के लिए अनुपयुक्त माना। एक अधिकारी के मुताबिक, वरुण अब खतरे से बाहर हैं और उनकी स्थिति में सुधार हो रहा है। रविवार को होने वाली प्रतियोगिता के लिए वजन कम करने के दौरान उनकी तबीयत बिगड़ी थी।

नेपाल के खिलाड़ी ने देखी हालत

वरुण के बेहोश होने के दौरान नेपाल के एक एथलीट की नजर उन पर पड़ी। उसने उन्हें जगाया, जिसके बाद वरुण ने एक अधिकारी को फोन किया। इसके बाद उन्हें तत्काल चिकित्सा सहायता के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। समय पर मदद मिलने से उन्हें उपचार उपलब्ध कराया जा सका। वरुण सान्याल की परेशानियां वजन घटाने की प्रक्रिया तक सीमित नहीं थीं। एशियन गेम्स के लिए नगोया पहुंचने के बाद उन्हें आवास हासिल करने में भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। भारतीय एमएमए खिलाड़ी के अनुसार, उनका नाम आवास व्यवस्था के तंत्र में दर्ज नहीं दिख रहा था। इसके कारण उन्हें अलग-अलग सुविधाओं के बीच 10 घंटे से अधिक समय तक भटकना पड़ा।

वैभव पर छिड़ी बहस, मोंटी ने बल्लेबाजी तकनीक पर उठाए सवाल, माइकल ने किया बचाव

टी20 के सितारे बनेंगे टेस्ट के बादशाह या तकनीक बनेगी सबसे बड़ी चुनौती? आंकड़ों ने बढ़ाई चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट के युवा सितारे वैभव सूर्यवंशी अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर लगातार सुर्खियां बटोर रहे हैं। टी20 क्रिकेट में तूफानी पारियों से पहचान बनाने वाले वैभव को अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में टीम में शामिल किया गया, लेकिन उन्हें किसी भी मुकाबले में अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली। दूसरी ओर, दलीप ट्रॉफी में उपयोगी पारियां खेलकर उन्होंने लाल गेंद के क्रिकेट में भी अपनी दावेदारी पेश की। अब क्रिकेट जगत में बहस छिड़ गई है कि क्या वैभव केवल छोटे प्रारूप के बल्लेबाज हैं या टेस्ट क्रिकेट में भी अपनी पहचान बना सकते हैं।

पनेसर ने तकनीक पर उठाए सवाल- इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर ने वैभव की बल्लेबाजी तकनीक को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। एक पॉडकास्ट में पनेसर ने कहा कि मौजूदा तकनीक के आधार पर वैभव के लिए तीनों प्रारूपों में लंबे समय तक सफलता हासिल करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

पनेसर का मानना है कि टेस्ट क्रिकेट में बल्लेबाज को अलग तरह की तकनीक, धैर्य और परिस्थितियों के अनुरूप ढलने की क्षमता की जरूरत होती है। उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा दौर में हैरी ब्रूक जैसे कुछ ही खिलाड़ी हैं, जो टेस्ट और टी20 दोनों प्रारूपों में शीर्ष स्तर पर प्रदर्शन कर रहे हैं।

प्रथम श्रेणी क्रिकेट में चुनौती

वैभव सूर्यवंशी के टी20 आंकड़े उनकी आक्रामक बल्लेबाजी की तस्वीर पेश करते हैं। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, उन्होंने सभी टी20 मुकाबलों में करीब 43 की औसत और 216.32 के स्ट्राइक रेट से 1670 रन बनाए हैं। उनका यह प्रदर्शन उन्हें युवा क्रिकेट के चर्चित बल्लेबाजों में शामिल करता है। हालांकि, प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनका प्रदर्शन अभी उतना प्रभावशाली नहीं रहा है। 17 पारियों में 23.47 की औसत से 399 रन उनके लाल गेंद के क्रिकेट में सुधार की गुंजाइश दिखाते हैं। टेस्ट क्रिकेट में सफलता के लिए उन्हें लंबे समय तक क्रीज पर टिकने और कठिन गेंदबाजी का सामना करने की क्षमता विकसित करनी होगी।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

'मिर्जापुर' फेम अभिनेत्री हर्षिता गौर का बेबाक बयान

परफेक्ट दिखने का दबाव आप लेते हैं या नहीं, यह आप पर निर्भर

मनोरंजन जगत में कलाकारों पर हर समय खूबसूरत और कैमरे के सामने परफेक्ट दिखने का दबाव बना रहता है। हालांकि, 'मिर्जापुर' फेम अभिनेत्री हर्षिता गौर का मानना है कि इस दबाव से निपटना काफी हद तक व्यक्ति के अपने नजरिए पर निर्भर करता है। आईएएनएस से खास बातचीत में अभिनेत्री ने कहा कि कलाकार चाहे तो इस दबाव को अपने ऊपर हावी होने दे सकता है या फिर अपनी असलियत के साथ सहज रह सकता है।हर्षिता गौर ने बताया कि अगर किसी भूमिका के लिए उनके रूप-रंग में बदलाव की जरूरत पड़ती है, तो वह इसके लिए पूरी तरह तैयार रहती हैं। अभिनेत्री के मुताबिक, अभिनय के क्षेत्र में काम करने का एक अहम आकर्षण अलग-अलग किरदारों के लिए प्रयोग करने का अवसर है।

उन्होंने कहा, ÷मैं प्रयोग करने के लिए तैयार रहती हूं, खासकर अगर किरदार की मांग हो। यह मजेदार है। हम इसी क्षेत्र में इसलिए हैं क्योंकि हमें प्रयोग करने का मौका मिलता है।÷ हर्षिता ने स्पष्ट किया कि किसी भूमिका को प्रभावी बनाने के लिए अपने लुक में बदलाव करना उन्हें पसंद है। उनके अनुसार, अभिनय केवल बाहरी रूप तक सीमित नहीं है, बल्कि किरदार के अनुरूप खुद को ढालना भी इसका महत्वपूर्ण हिस्सा है।

सोशल मीडिया की वजह से पहले से ही है दबाव

हर वक्त कैमरे के लिए तैयार रहने के सवाल पर हर्षिता ने कहा कि मनोरंजन उद्योग में दिखावे का दबाव मौजूद है, लेकिन इससे निपटने का तरीका हर व्यक्ति का अलग हो सकता है। उन्होंने कहा, दबाव तो होता है, लेकिन आप या तो उस दबाव को ले सकते हैं या नहीं। मुझे लगता है कि यह पूरी तरह आप पर निर्भर करता है।अभिनेत्री ने यह भी याद दिलाया कि सोशल मीडिया के मौजूदा दौर से पहले भी लोगों पर सामाजिक अपेक्षाओं का दबाव रहता था।

प्राकृतिक रूप को लेकर बदल रही सोच

हर्षिता ने कहा कि अब दर्शक अलग-अलग शरीर और त्वचा के प्रकार को स्वीकार करने लगे हैं, बशर्ते वे निभाए जा रहे किरदार के अनुकूल हों। उन्होंने ऐसे धारावाहिकों का जिक्र किया, जिनमें कलाकार भूमिका की जरूरत के अनुसार बिना मेकअप के नजर आते हैं। इस संदर्भ में उन्होंने अभिनेत्री करीना कपूर का उदाहरण देते हुए एक ऐसी फिल्म का उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने मेकअप नहीं किया था। हर्षिता के अनुसार, किरदार की मांग होने पर कलाकारों का अपने वास्तविक रूप में नजर आना अब अधिक सहज माना जा रहा है।

ऐश्वर्या राय की हमशक्ल का जलवा, स्विमिंग पूल में दिखा ग्लैमरस अवतार

मिनी स्कर्ट में भी छाईं स्नेहा उल्लाल

बॉलीवुड में आते ही अपनी नशीली आंखों और लुक्स में ऐश्वर्या राय संग सिमिलैरिटी के चलते स्नेहा उल्लाल को ऐश्वर्या राय की हमशक्ल%का टैग मिल गया, तो कुछ लोग उन्हें ऐश की बहन समझ बैठते, जो सिलसिला आज भी जारी है। तभी तो गोवा वेकेशन के दौरान की तस्वीरों में उनका स्टाइलिश रूप लोगों का दिल जीत गया। जिसमें वह कभी मिनी स्कर्ट पहने दिखीं, तो शॉर्ट्स या फिर ड्रेस में अपना ग्लैमरस अवतार दिखा गईं।

38 साल की स्नेहा के लुक्स देख लोगों की नजरें नहीं हटीं और वह लड़कियों को भी पार्टी और वेकेशन के लिए फैशन गोल्स दे गईं। जहां उनके लुक में ग्लैमर के साथ स्टाइल और अदाओं का परफेक्ट कॉम्बिनेशन देखने को मिला। जिन्हें कम एलिमेंट्स के साथ स्टाइल करके उन्होंने क्लासी बनाया है। स्नेहा का ब्लैक शॉर्ट ड्रेस में लुक बेहद ग्लैमरस लग रहा है। जिसकी डीप वी नेक, बैलून स्टाइल हाफ स्लीव्स और प्लीटेड स्कर्ट आउटफिट में ग्लैम कोशेंट के साथ ही क्यूटनेस का एलिमेंट भी ऐड कर रही है। जिसे उन्होंने गोल्डन डिटेल बेल्ट और ब्रेसलेट के साथ पेयर किया, तो

ब्लैक हील्स और हल्का स्मोकी टच मेकअप शानदार लगा। यहां स्नेहा वाइट कलर की प्रिंटेड मिनी स्कर्ट में नजर आ रही हैं, जिस पर पर्पल और ग्रीन फ्लोरल पैटर्न बना है। वहीं, प्लीटेड डिटेलिंग इसकी ब्यूटी को बढ़ा रही है, जिसे उन्होंने लाइट ग्रीन टोन टैंक टॉप के साथ पेयर किया और साथ में मैचिंग शर्ट ऊपर से लेयर कर ली। जहां टैंक टॉप की बटन और लेस डिटेलिंग नेकलाइन लुक में स्टाइलिश टच ऐड कर गई, तो पिंक लिप्स के साथ उन्होंने इसे फाइनल टच दिया।

मेट्रो बाजार

टाटा संस विवाद में नया पेच

5,000 करोड़ वाले ट्रस्ट ने कानूनी खर्च से किया किनारा

मुंबई। टाटा एजुकेशन एंड डेवलपमेंट ट्रस्ट के ट्रस्टी मेहली मिस्त्री ने साफ कर दिया है कि ट्रस्ट टाटा ट्रस्ट्स और टाटा संस के बोर्ड के बीच एन चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति को लेकर चल रहे विवाद से जुड़े किसी भी कानूनी खर्च का भुगतान नहीं करेगा। टीईडीटी के कोष का अनुमान करीब 5,000 करोड़ रुपये बताया गया है। मेहली ने टाटा ट्रस्ट्स के सीईओ सिद्धार्थ शर्मा को ईमेल भेजकर अपनी आपत्ति दर्ज कराई है। इसकी प्रति टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल एन टाटा और टीईडीटी के दूसरे ट्रस्टी जेएन मिस्त्री को भी भेजी गई है।

मेहली ने कहा कि ट्रस्टी, टाटा संस और टाटा ट्रस्ट्स के बीच चल रहा मुकदमा पिछले 150 वर्षों में अभूतपूर्व है। उन्होंने विवाद में शामिल लोगों के अनुभव या रवैये पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए टीईडीटी के रुख को स्पष्ट किया। उनका कहना है कि टीईडीटी टाटा संस का शेयरधारक नहीं है और इसलिए इन विवादों से अलग है। मेहली मिस्त्री के ईमेल में यह नहीं कहा गया है कि टीईडीटी का पैसा फिलहाल इस विवाद से जुड़े कानूनी खर्च में इस्तेमाल किया जा रहा है। ईमेल में ऐसा भी नहीं कहा गया है कि इस तरह के खर्च का कोई प्रस्ताव सामने आया है। उनकी आपत्ति इस आशंका पर आधारित है कि टीईडीटी से भविष्य में ऐसे कानूनी खर्च उठाने को कहा जा सकता है। मेहली ने मांग की है कि उनका ईमेल 20 नवंबर 2026 को होने वाली टीईडीटी बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज की अगली बैठक में रखा जाए और रिकॉर्ड में दर्ज किया जाए।

सेमीकॉन इंडिया में 56 एमओयू पर हस्ताक्षर डिजाइन से लेकर रिसर्च तक मजबूत हुई साझेदारी

नई दिल्ली। सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में भारत की सबसे बड़ी कॉन्फ्रेंस सेमीकॉन इंडिया 2026 ने निवेश और तकनीकी साझेदारी के लिए बड़ा मंच दिया। इस इवेंट में 600 से ज्यादा प्रदर्शक, करीब 300 अंतरराष्ट्रीय कंपनियां और 52 देशों की भागीदारी रही।

इस दौरान डिजाइन, मैन्युफैक्चरिंग और रिसर्च से जुड़े 56 एमओयू, घोषणाएं और रणनीतिक पहल हुईं। सरकारी बयान के अनुसार, भारत की इस पांचवीं फ्लैगशिप सेमीकंडक्टर कॉन्फ्रेंस ने घरेलू सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम के विकास में एक और कदम बढ़ाया है। इस बार 6 कंट्री पवेलियन लगाए गए थे, जिनमें जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, नीदरलैंड, सिंगापुर और स्वीडन शामिल थे। इसके साथ ही 12 राज्यों के पवेलियन, एक स्टार्टअप पवेलियन, वर्कफोर्स डेवलपमेंट जोन, इनोवेशन शोकेस और स्टूडेंट हैकाथॉन भी आयोजित किया गया। इनमें सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन के अलग-अलग पहलुओं को दिखाया गया।

इस इवेंट के लिए कुल 51,656 रजिस्ट्रेशन हुए और करीब 40,000 लोगों की मौजूदगी रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेमीकॉन इंडिया 2026 का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि भारत अब पॉलिसी पर चर्चा और प्रोजेक्ट प्लानिंग से आगे बढ़कर कमर्शियल सेमीकंडक्टर प्रोडक्शन के दौर में पहुंच गया है। पीएम मोदी ने युवा चिप डिजाइनर्स और छात्रों से बातचीत की और वर्चुअली दो नई कमर्शियल प्रोडक्शन लाइनों का उद्घाटन किया। ये लाइनें सीडीआईएल सेमीकंडक्टर, मोहाली और सुची सेमीकॉन, सूरत में शुरू हुई हैं। इसके साथ ही सेमीकॉन 1.0 के तहत मंजूर 12 प्रोजेक्ट्स में से 5 यूनिट अब पूरी तरह से काम करने लगी हैं।

'न्यायमूर्ति गणपति' ने खींचा सबका ध्यान, सुप्रीम कोर्ट थीम वाले पंडाल का अद्भुत नजारा

तेलंगाना के वारंगल में गणेश उत्सव के दौरान एक अनोखी गणपति प्रतिमा भक्तों के बीच आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। यहां सुप्रीम कोर्ट की थीम पर तैयार किए गए पंडाल में 'न्यायमूर्ति गणपति' की प्रतिमा स्थापित की गई है।'न्यायमूर्ति गणपति' की यह प्रतिमा सिर्फ अपनी अनोखी थीम के कारण ही खास नहीं है, बल्कि इसके जरिए पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संदेश भी दिया जा रहा है।पर्यावरण के अनुकूल तरीके से तैयार की गई इस प्रतिमा में गणेश उत्सव के साथ प्रकृति की सुरक्षा का संदेश भी शामिल है।गणपति की अलग तरह की प्रतिमा देखने के लिए भक्त यहां पहुंच रहे हैं और इसकी थीम लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है।

न्यूज विंडो

आंध्र प्रदेश में सूखी चित्रावती नदी, रेत पर करना पड़ा बप्पा का विसर्जन

अमरावती। आंध्र प्रदेश के पुत्तलुरू में भीषण सूखा पड़ रहा है। हालात ये हो गए हैं कि चित्रावती नदी पूरी तरह से सूख गई है, जहाँ पहले नदी बहती थी वहां आज सिर्फ रेत ही रेत देखने को मिल रही है। हालात ऐसे हैं कि लोगों के पास गणेश विसर्जन करने के लिए कोई नदी नहीं बची है।पुत्तलुरू में भीषण सूखे की हालत में एक ऐसी तस्वीर सामने आई, जिसने लोगों को दिल छू लिया। दरअसल जिस चित्रावती नदी में हर साल बप्पा का विसर्जन होता था, वहां इस पर पानी ही नहीं था। ऐसे में लोगों ने मजबूरी में बप्पा की मूर्तियों को सूखी नदी की रेत पर ही छोड़कर विदा कर दिया क्योंकि इसके अलावा उनके पास और कोई चारा नहीं था।आंध्र प्रदेश में आये इस सूखे के पीछे कई स्थिति मानी जा रही है। मानसून की भारी कमी इस सूखे के पीछे मुख्य कारण माना जा रहा है। इस साल आंध्र प्रदेश के कई हिस्सों में मानसून के दौरान सामान्य से बहुत कम बारिश दर्ज की गई है।

बंगाल विधानसभा उपचुनाव: कबीर बोले- बेटे के लिए नहीं करूंगा चुनाव प्रचार

कोलकाता। रेजीनगर उपचुनाव का ड्रामा तब और आगे बढ़ा जब एजेयूपी प्रमुख हुमायूं कबीर ने घोषणा की कि वह अपने बेटे और पार्टी उम्मीदवार गुलाम नबी आजाद के लिए प्रचार नहीं करेंगे। उन्होंने प्रशासन पर दुश्मनी का आरोप लगाया है। बता दें कि कबीर ने साढ़े चार महीने पहले यह सीट जीती थी।कबीर का यह बयान ममता की पार्टी ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार रबीउल आलम चौधरी के उस बयान के एक दिन बाद आया है, जिसमें उन्होंने 6 अक्टूबर को होने वाले उपचुनाव के लिए अपना नामांकन वापस लेने की बात कही थी, लेकिन कुछ ही घंटों बाद अपना बयान वापस ले लिया।हुमायूं कबीर ने कहा, 'मैं जिससे भी मिलता या बात करता हूं, उसे गिरफ्तार कर लिया जाता है या धमकी दी जाती है। उन्होंने एजेयूपी के 25 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। लोग जानते हैं कि हमारा चुनाव चिह्न टेबल है।

कोचिंग से लौट रहे छात्रों पर बदमाशों ने की फायरिंग, वीडियो वायरल

संतकबीरनगर। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के कांटे गांव के बाहर सोमवार सुबह कोचिंग से लौट रहे दसवीं के दो छात्रों पर फायरिंग का मामला सामने आया है।तीन बाइकों से आए छह बदमाशों ने छात्रों की बाइक रोककर उनके साथ मारपीट की। जब लोग बीच-बचाव के लिए आगे बढ़े, तो एक युवक ने पिस्टल निकालकर हवा में फायर कर दिया, जिससे भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।राजपुर सरैया गांव निवासी रमन यादव, जो कक्षा दस का छात्र है, सोमवार सुबह करीब छह बजे अपने मित्र हरिओम गौतम के साथ बाइक से कांटे स्थित कोचिंग सेंटर पहुंचा था।दोनों छात्र करीब सवा सात बजे कोचिंग से पढ़ाई कर घर लौट रहे थे। कांटे गांव से कुछ दूरी पर पहुंचते ही तीन बाइकों पर आए युवकों ने उनकी बाइक रोक ली।

यूनाइटेड रशिया पार्टी ने शुरुआती नतीजों में 57.5% वोट के साथ अजेय बढ़त बनाई

रूसी संसदीय चुनाव में पुतिन समर्थक पार्टी जीती, जंग के बाद पहला चुनाव

मास्को, एजेंसी

रूस के संसदीय चुनाव में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की समर्थक यूनाइटेड रशिया पार्टी ने जीत हासिल कर ली है। शुरुआती नतीजों में पार्टी ने 57.5% वोट के साथ अजेय बढ़त बना ली है। चुनाव के आधिकारिक नतीजे अभी आने बाकी हैं।

यह फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद पहला संसदीय चुनाव है। पुतिन ने चुनाव को यूक्रेन में लड़ रहे रूसी सैनिकों के समर्थन से जोड़कर पेश किया था।2021 के पिछले संसदीय चुनाव में यूनाइटेड रशिया ने स्टेट ड्यूमा की 450 में से 324 सीटें जीती थीं।

स्टेट ड्यूमा रूस की संसद का निचला सदन है। इसमें कुल 450 सीटें हैं। इनमें 225 सीटें पार्टी को मिले वोट के आधार पर और 225 सीटें अलग-अलग क्षेत्रों में सीधे चुनाव से तय होती हैं।

रूस की युद्ध-विरोधी पार्टी याब्लोको को इस बार पार्टी के नाम पर चुनाव लड़ने से रोक दिया गया। हालांकि, पार्टी के कुछ नेताओं को अलग-अलग सीटों से चुनाव लड़ने की अनुमति मिली।

इसके अलावा कई सरकार विरोधी नेताओं और उम्मीदवारों को भी चुनाव लड़ने का मौका नहीं मिला। रूस में इस चुनाव में 56.66% लोगों ने वोट डाला। मॉस्को में मतदान रिकॉर्ड स्तर पर रहा।

चुनाव में उम्मीदवार नहीं थे पुतिन

पुतिन खुद इस संसदीय चुनाव में उम्मीदवार नहीं थे। वे यूनाइटेड रशिया पार्टी के सदस्य भी नहीं हैं। हालांकि, वे 2008 से 2012 तक इस पार्टी के नेता रह चुके हैं। रूस में अगला राष्ट्रपति चुनाव 2030 में होना है।चुनाव से पहले पुतिन ने कहा था कि लोगों का वोट यूक्रेन में लड़ रहे रूसी सैनिकों के समर्थन को दिखाएगा। पुतिन चुनाव के नतीजों को पुतिन की नीतियों और यूक्रेन युद्ध के समर्थन के तौर पर पेश कर सकते हैं।

मॉस्को पर यूक्रेन ने किया था ड्रोन हमला: रूस में संसदीय चुनाव के आखिरी दिन रविवार को यूक्रेन ने मॉस्को और आसपास के इलाकों में 1,600 से ज्यादा ड्रोन भेजे। रूसी अधिकारियों के मुताबिक, इनमें करीब 450 ड्रोन मॉस्को की तरफ बढ़ रहे थे। हमले में कम से कम 2 लोगों की मौत हुई। इनमें एक 44 साल की महिला और एक बुजुर्ग व्यक्ति शामिल हैं।

रूस से युद्ध खत्म करने पर अहम बैठक

जेलेंस्की बोले- अगले हफ्ते न्यूयॉर्क में ट्रम्प से मुलाकात

कीव, एजेंसी

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रविवार को बताया कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प से बात की है। दोनों नेताओं ने तय किया है कि वे अगले हफ्ते न्यूयॉर्क में होने वाली संयुक्त राष्ट्र महासभा के सालाना सत्र के दौरान मुलाकात करेंगे।जेलेंस्की ने ङ्ग पर पोस्ट किया कि रूस के साथ साढ़े चार साल से चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए यह मुलाकात बहुत अहम है और इससे बहुत कुछ बदल सकता है।रूस और यूक्रेन के बीच फरवरी 2022 से युद्ध जारी है। रूस में संसदीय चुनाव के आखिरी दिन रविवार को मॉस्को और आसपास के इलाकों में यूक्रेन ने 1600 से ज्यादा ड्रोन से हमला किया। इनमें करीब 450 ड्रोन मॉस्को की तरफ बढ़ रहे थे।

जेलेंस्की ने बताया कि इस मुलाकात में युद्ध का तनाव कम करने के साथ-साथ ऊर्जा, भोजन और आम लोगों की सुरक्षा जैसे जरूरी मुद्दों पर विचार किया जाएगा। अमेरिका और यूक्रेन की टीमें मिलकर काम कर रही हैं। अब हम हालात सुधारने के लिए कुछ बड़े और गंभीर कदम उठाने को पूरी तरह तैयार हैं।

4 साल से जारी है रूस-यूक्रेन जंग

रूस और यूक्रेन के बीच जंग फरवरी 2022 में शुरू हुई। रूस ने यूक्रेन के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया और तभी से दोनों देशों के बीच लड़ाई जारी है।रूस के पास यूक्रेन के करीब 20% इलाके पर कब्जा है। इस युद्ध में हजारों नागरिकों और सैनिकों की मौत हुई है, जबकि लाखों यूक्रेनियन अपना घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। जून 2023 तक करीब 80 लाख लोग यूक्रेन छोड़कर दूसरे देशों में चले गए थे।अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प युद्ध खत्म कराने के लिए रूस और यूक्रेन के नेताओं के साथ बातचीत कर चुके हैं। हाल ही में उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से अलास्का में मुलाकात की थी।

सुसाइड केस में IIT बॉम्बे के डायरेक्टर ने विरोध कर रहे छात्रों से की मुलाकात

» 18 मांगों वाली लिस्ट पर किए साइन

मुंबई। आईआईटी बॉम्बे में बीटेक के छात्र साहिल वाकोडे की आत्महत्या से हुई मौत के विरोध में संस्थान के मुख्य गेट पर बड़ी संख्या में छात्र जमा हुए। इसको लेकर संस्थान के डायरेक्टर शिरीष केदार ने इन छात्रों से तीन घंटे तक बैठक की।छात्रों की ओर से लाइव रिकॉर्ड की गई इस बैठक में संस्थान के प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों की 18 मांगों पर चर्चा की और उन पर हस्ताक्षर किए। संस्थान के एक अधिकारी ने कहा कि बातचीत जारी रहेगी और उचित प्रक्रिया का पालन किया जाएगा। इस मुद्दे पर चर्चा के लिए सोमवार को संस्थान के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठक होनी है। उसी दिन छात्रों के साथ एक ओपन हाउस बैठक भी होने की उम्मीद है।शुक्रवार रात पवई कैंपस में विरोध प्रदर्शन तब शुरू हुआ जब एनर्जी साइंस और इंजीनियरिंग के दूसरे साल के छात्र वाकोडे ने अपनी जान दे दी। उसने यह कदम संस्थान की मिड-सेमेस्टर परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए पकड़े जाने के कुछ घंटों बाद उठाया था।

राज ठाकरे के खिलाफ रील... इन्फ्लुएंसर से माफी मंगवाई दंडवत कराया, चेहरे पर कालिख पोती, सिर पर चप्पल रखी

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में राज ठाकरे पर टिप्पणी वाली रील के मामले में MNS कार्यकर्ताओं ने इन्फ्लुएंसर महेश मोटे से माफ मंगवाई। आरोप है कि कार्यकर्ताओं ने उनका चेहरा काली स्याही से पोता और राज ठाकरे की तस्वीर के सामने दंडवत करवाया। उनके सिर पर चप्पल रखकर उठक-बैठक भी कराई गई।

घटना का वीडियो सोमवार को सोशल मीडिया पर सामने आया है। इसमें वे हाथ जोड़कर राज ठाकरे, MNS और पार्टी पदाधिकारियों से बिना शर्त माफी मांगते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में वे रोते हुए आगे

ऐसी गलती नहीं करने और उन्हें परेशान नहीं करने की अपील करते हैं।

MNS के हडपसर विधानसभा क्षेत्र के उपविभाग अध्यक्ष शुभम जगदाले ने दावा किया कि महेश मोटे ने करीब 15 दिन पहले एक वीडियो में MNS प्रमुख राज ठाकरे के खिलाफ बेहद आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया था। इसी को लेकर पार्टी कार्यकर्ता नाराज थे।

जगदाले के मुताबिक, मोटे पिछले करीब 15-20 दिनों से केरल में थे। उनके पुणे लौटने और कात्रज इलाके में मौजूद होने की जानकारी मिलने के बाद MNS कार्यकर्ता वहां पहुंचे। उन्होंने मोटे को कात्रज के एक पार्क से पकड़ा और MNS के जनसंपर्क कार्यालय ले गए।

मेट्रो एंकर | पाकिस्तानी मंत्री बोले- कमी हुई तो कीमतें बढ़ेंगी; अब तक 50 फीसदी महंगा हुआ

पाकिस्तान में 1000 रुपए तक पहुंच सकता है पेट्रोल!

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत 1000 रुपए प्रति लीटर तक महंगा हो सकता है। पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने कहा कि अगर देश में पेट्रोल की कमी हुई तो कीमत और बढ़ सकती है।झमंत्री के मुताबिक, पाकिस्तान में पेट्रोल अब तक करीब 50% महंगा हो चुका है। फिलहाल पेट्रोल 389.14 रुपए प्रति लीटर और डीजल 424.04 रुपए प्रति लीटर है।मिडिल ईस्ट में लड़ाई बढ़ने से दुनिया में कच्चे तेल की कीमत बढ़ रही है। होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से तेल की सप्लाई को लेकर भी चिंता बढ़ी है। इसका असर पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत पर पड़ रहा है।

बढ़ती कीमतों के बीच पाकिस्तान सरकार ने बाइक, रिक्शा, चिंगची और 800 सीसी तक की कारों के लिए पेट्रोल पर सब्सिडी योजना शुरू की है। इसमें पेट्रोल पर 100 रुपए प्रति लीटर तक की सब्सिडी दी जा रही है।हर पात्र व्यक्ति को महीने में 4 टोकन मिलेंगे। हर टोकन पर 500 रुपए की सब्सिडी मिलेगी। योजना में अब 1 जनवरी 2006 से रजिस्टर्ड मोटरसाइकिलें भी शामिल हैं।सरकार के मुताबिक, योजना में 17.5 लाख से ज्यादा लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। करीब 15 लाख टोकन जारी हो चुके हैं और 6.80 लाख से ज्यादा टोकन इस्तेमाल किए जा चुके हैं।

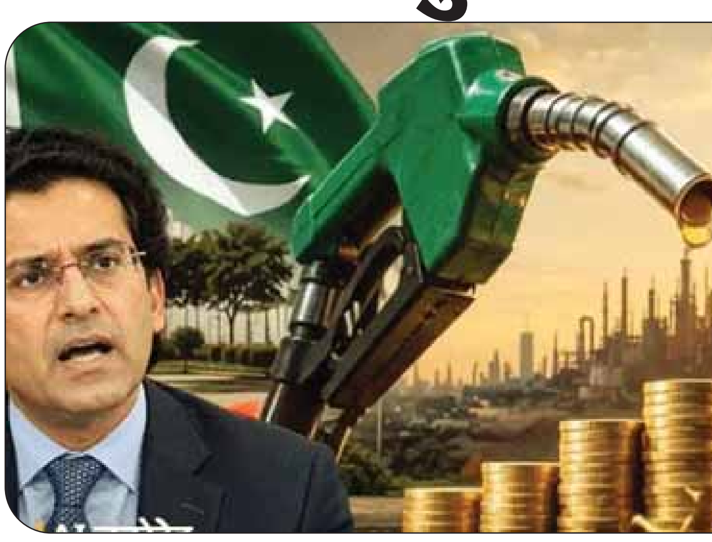

अक्टूबर तक पाकिस्तान में मिल सकता है घरेलू तेल

पाकिस्तान सरकार देश में नए तेल भंडार खोजने पर काम कर रही है। पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक के मुताबिक, तेल के कुओं पर काम शुरू हो चुका है और अक्टूबर तक कच्चा तेल मिलने की उम्मीद है।सरकार ने तेल और गैस की खोज के लिए नए ब्लॉक भी कंपनियों को दिए हैं। इसका मकसद देश में घरेलू उत्पादन बढ़ाना और विदेशों से तेल खरीदने पर खर्च कम करना है।अगर नए कुओं से व्यावसायिक स्तर पर तेल निकलता है, तो पाकिस्तान को अपनी जरूरत का कुछ हिस्सा देश में ही मिल सकेगा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524